Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ●Thursday, 13 November 2025 ●Year : 03 ●Issue : 295 ●Ranchi Edition ●Page : 12 ●Price : ₹3 ●www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

दूसरों के दोषों के समान अपना दोष भी देखने लगे तो जीवन में कोई दुख कभी नहीं हो सकता।

–तिरुवल्लुवर

Sherlyn Chopra Reveals She's Getting Breast...

SHARE

सेंसेक्स	:	84,466.51
निफ्टी	:	25,875.80

SARAFA

सोना	:	11,655.00
चांदी	:	173.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

धर्मेंद्र को अस्पताल से मिली छुट्टी, परिवार ने घर पर ही इलाज का किया फैसला

MUMBAI : बुधवार को बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को

दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब वह घर पर ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करेंगे। उनकी सेहत को लेकर तमाम अटकलों के बीच परिवार और डॉक्टर ने यह जानकारी दी। धर्मेंद्र (89) को थोड़े दिन पहले कुछ जांचों के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था और आज उन्हें छुट्टी दे दी गई। हालांकि, उनके परिवार और अस्पताल के अधिकारियों ने इन जांचों या उनकी स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी।

'आतंकवाद' से जुड़े होने के आरोप में इंजीनियर गिरफ्तार

MUMBAI : महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने अल-कायदा और अन्य प्रतिबंधित संगठनों से कथित संबंधों के लिए पुणे के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की गिरफ्तारी के सिलसिले में ठाणे में एक शिक्षक और पुणे में एक अन्य व्यक्ति के घर पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एटीएस ने स्पष्ट किया कि यह छापेमारी सोमवार को दिल्ली में हुए विस्फोट से संबंधित नहीं है, लेकिन साथ ही बताया कि मानक प्रक्रिया के तहत एजेंसी इस बात की जांच कर रही है कि क्या राष्ट्रीय राजधानी में हुई इस घटना का महाराष्ट्र से कोई संबंध है।

दवा फैक्ट्री के बॉयलर में विस्फोट से दो की मौत, 20 घायल

BHARUCH : गुजरात के भरूच जिले में एक दवा फैक्ट्री में बॉयलर फटने और उसके बाद लगी आग में कम से कम दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य घायल हो गए। यह हादसा औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) के सायखा इलाके में स्थित फैक्टरी में हुआ। भरूच के जिलाधिकारी गौरांग मकवाना ने बताया, फैक्टरी के अंदर एक बॉयलर में धमाका होने से भीषण आग लग गई। उन्होंने कहा कि बाद में आग पर काबू पा लिया गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि फैक्टरी की पूरी इमारत ढह गई। अधिकांश कर्मचारी किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन दो कर्मचारी अंदर फंस गए और उनकी मौत हो गई। आग बुझाने के बाद उनके शव मलबे से बरामद कर लिए गए हैं।

क्या सचमुच दो राज्यों के वोटर हैं उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव!

झारखंड की महगामा और बिहार के कहलगांव की मतदाता सूची में दर्ज विवरण संयोग है या दोहरी पहचान?

- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 27 के तहत दोहरा पंजीकरण अवैध
- झूठे शपथपत्र पर 6 माह की कैद या जुर्माना, चुनावी अयोग्यता संभव
- दोहरे पंजीकरण पर दो वर्ष तक की सजा और हो सकता है जुर्माना
- आरोप साबित होने पर मंत्री पद और खतरे में विधानसभा की सदस्यता

S. NO.	Epic Number	Name	Age	Relative Name	State	District	Assembly Constituency
1	QCB2237708	Sanjay Prasad Yadav संजय प्रसाद यादव	51	Chandrashekhar Yadav चन्द्रशेखर यादव	Jharkhand	6-Godda	18-Mahagama

S. NO.	Epic Number	Name	Age	Relative Name	State	District	Assembly Constituency
1	SB02270924	Sanjay Yadav संजय यादव	50	Chandrashekhar Yadav चन्द्रशेखर यादव	Bihar	22-BHAGALPUR	155-Kahalgaon
2	SB00600890	Sanjay Kumar संजय कुमार	52	Chandrashekhar Mandal चन्द्रशेखर मंडल	Bihar	22-BHAGALPUR	155-Kahalgaon
3	SB90157776	Sanjay Kumar bihari संजय कुमार बिहारी	50	Chandrashekhar Mandal चन्द्रशेखर मंडल	Bihar	22-BHAGALPUR	155-Kahalgaon

क्या कहता है नियम

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 27 कहती है कि राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उसी राज्य का मतदाता होना अनिवार्य है। यदि संजय यादव ने बिहार का पंजीकरण रद्द किए बिना झारखंड में नामांकन किया, तो यह गैरकानूनी है। दोहरा पंजीकरण धोखाधड़ी का अपराध है, भले ही वोट डाला हो या न डाला हो।

संभावित कानूनी परिणाम

शपथ पत्र में निवास और मतदाता विवरण की सटीक जानकारी देना भी अनिवार्य है। झूठे शपथपत्र पर आरपीए 1951 की धारा 125ए के तहत 6 माह की कैद, जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। साथ ही 6 वर्ष की चुनावी अयोग्यता भी हो सकती है। दोहरे पंजीकरण के लिए दो साल की कैद और जुमार्ना लगाया जा सकता है। आईपीसी की धारा 171 (झूठी जानकारी) व 193 (झूठे साक्ष्य) भी जोड़े जा सकते हैं। संसदीय समिति ने ऐसी सजाओं को 2 वर्ष तक बढ़ाने का सुझाव दिया है।

गंवानी पड़ सकती है विधायकी

यदि शिकायत दर्ज हुई, तो चुनाव आयोग जांच चलाकर पंजीकरण रद्द करने के साथ एफआईआर और मुकदमा भी चला सकता है। ऐसा हुआ तो, संजय यादव के सामने मंत्री पद से इस्तीफा या बर्खास्तगी का संकट हो सकता है, साथ ही विधानसभा की सदस्यता रद्द होने का खतरा भी होगा।

ANAND KUMAR, RANCHI : झारखंड सरकार में उद्योग, श्रम-नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री संजय प्रसाद यादव दोहरी मतदाता पहचान के आरोप में घिर गये हैं। सोशल मीडिया पर वायरल फोटो ने बिहार और झारखंड दोनों राज्यों में उनके मतदाता पंजीकरण और उनके चुनावी हलफनामे को लेकर गंभीर सवाल उठाये हैं। यदि आरोप सिद्ध हुए, तो संजय यादव के मंत्री पद, विधानसभा सदस्यता और राजनीतिक करियर पर गहरा असर पड़ सकता है।

वायरल फोटो से भड़का विवाद

11 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण का मतदान हुआ। इसी दिन सोशल साइट 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर एक फोटो तेजी से वायरल हुई, जिसमें संजय यादव सफेद ट्रैकसूट और कैप पहने उंगली पर वोटिंग इंक दिखाते नजर आ रहे हैं। पोस्ट में दावा किया गया कि मंत्री ने अपने बेटे रजनीश यादव, जो कहलगांव से आरजेडी उम्मीदवार है, के समर्थन में वोट डाला। हालांकि, कुछ यूजर्स ने इसकी प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हुए पत्नी और बेटे के साथ संजय यादव की एक अन्य तस्वीर साझा की, जिसमें दावा किया गया कि यह 2024 में हुए झारखंड विधानसभा चुनाव की है। लेकिन, विशेषज्ञों का मानना है कि फोटो पुरानी हो या नई, लेकिन असली समस्या दो राज्यों में एक ही नाम का मतदाता पंजीकरण है, जो कानूनन अवैध है।

शपथपत्र बनाम वास्तविकता

2024 के विधानसभा चुनाव में झारखंड की गोड्डा सीट से आरजेडी के टिकट पर जीतने वाले संजय यादव ने नामांकन के समय चुनाव आयोग को दिये शपथपत्र में खुद को झारखंड का स्थायी निवासी और मतदाता घोषित किया था। उनके चुनावी शपथ पत्र में लिखा है - संजय प्रसाद यादव, पुत्र चंद्रशेखर यादव, 18-महागामा निर्वाचन क्षेत्र, भाग संख्या 402, क्रम संख्या 168। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की वेबसाइट पर इसकी पुष्टि हो जाती है। लेकिन, चौंकाने वाला तथ्य यह है कि ईसीआई) की वेबसाइट के अनुसार बिहार के भागलपुर जिले के 155-कहलगांव निर्वाचन क्षेत्र के भाग संख्या 5, मतदान केंद्र प्राथमिक विद्यालय खुटाहा, क्रम संख्या 384 पर भी यही विवरण दर्ज है। संजय यादव, पुत्र चंद्रशेखर यादव। अंतर इतना है कि झारखंड में संजय प्रसाद यादव दर्ज है और बिहार में संजय यादव। झारखंड के मंत्री संजय प्रसाद यादव के पुत्र रजनीश यादव कहलगांव सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। क्या इतने सारे संयोग एक साथ संभव हैं या मंत्री पर लगाये जा रहे आरोपों में सच्चाई है, इसका पता तो जांच से ही चल पायेगा।

राज्य कैबिनेट की बैठक में 18 प्रस्तावों पर लगी मुहर

देसी मांगुर बनी 'राजकीय मछली'

विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक चलेगा

- झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों की आजीविका का महत्वपूर्ण स्रोत है यह मछली
- इस प्रजाति के संरक्षण, अनुसंधान और उत्पादन बढ़ाने के लिए बनेगी नीति
- नए आपराधिक कानूनों के अनुरूप ई-साक्ष्य और ई-समन को अधिसूचित करने की मिली स्वीकृति
- सभी जिलों के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में स्टेम लैब स्थापना की दी गई मंजूरी
- नेतरहाट आवासीय विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों को मिलेगा पुरानी पेंशन योजना का लाभ
- वर्ल्ड बैंक समर्थित परियोजना में संविदा पर नियुक्त 24 पॉलिटेक्निक शिक्षकेतर कर्मियों को किया जाएगा नियमित

सड़क निर्माण के लिए मिली राशि

राज्यभर में सड़क निर्माण और गुणवत्ता सुधार पर बड़ा निवेश मंजूर किया गया। गिरिडीहझजमुआ मार्ग (28.44 किमी) को टू-लेन में अपग्रेड करने हेतु 133.01 करोड़ की स्वीकृति। वहीं सिमडेगा, रेंगारी, केरसई सड़क (48.21 डट) के राइडिंग क्वालिटी सुधार हेतु 29.76 करोड़ खर्च किए जाएंगे। सेतु बंधन परियोजना के लिए 37.27 करोड़ की योजना को आकस्मिकता निधि से मंजूरी दी गई।

देवघर में बनेगा चार सितारा होटल

देवघर में होटल वैद्यनाथ विहार को पीपीपी मोड पर चार सितारा होटल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसकी परियोजना लागत 113.97 करोड़ है। इसका उद्देश्य तीर्थ पर्यटन और आर्थिक गतिविधि बढ़ाना है। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक आयोजित होगा। इसके अलावा चकला कोल परियोजना के लिए 147.05 एकड़ भूमि 30 वर्ष के लिए हिण्डाल्को को लीज पर देने का निर्णय लिया गया।

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट भवन में झारखंड कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में 18 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें कृषि, शिक्षा, पर्यटन, सड़क निर्माण, पुलिस सेवा, रोजगार और प्रशासनिक सुधार से जुड़े अहम फैसले शामिल हैं। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर निर्णयों की जानकारी दी। सबसे अहम निर्णय देसी मांगुर को राज्य की 'राजकीय मछली' घोषित की गई। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद राष्ट्रीय मत्स्य अनुवांशिक संसाधन ब्यूरो (लखनऊ) के अनुरोध पर यह कदम उठाया गया है। इस निर्णय के बाद इस प्रजाति के संरक्षण, अनुसंधान और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार अब सुनियोजित नीति बनाएगी। यह मछली झारखंड के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों की आजीविका का महत्वपूर्ण स्रोत है। बैठक में देश में लागू हुए नए आपराधिक कानूनों के अनुरूप राज्य सरकार ने ई-साक्ष्य और ई-समन को अधिसूचित करने की स्वीकृति दी। इसके बाद न्यायिक और पुलिस प्रक्रियाओं में डिजिटल साक्ष्यों की वैधता और ई-समन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से लागू होगी। कैबिनेट ने राज्य के सभी 24 जिलों के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में स्टेम लैब स्थापना की स्वीकृति दी। इससे विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में छात्रों को अत्याधुनिक संसाधन मिलेंगे। नेतरहाट आवासीय विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलेगा। वर्ल्ड बैंक समर्थित परियोजना में संविदा पर नियुक्त 24 पॉलिटेक्निक शिक्षकेत्तर कर्मियों का नियमितीकरण किया जाएगा।

लातेहार में पांच लाख के इनामी सहित दो उग्रवादियों ने किया सरेंडर

PHOTON NEWS LATEHAR : बुधवार को लातेहार में उग्रवादी संगठन जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के दो उग्रवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में ब्रजेश यादव और अवधेश लोहरा शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में दोनों उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया। ब्रजेश यादव गुमला जिले का रहने वाला है। इस पर पांच लाख रुपये का इनाम भी घोषित था, जबकि अवधेश लातेहार के हेरहंज का रहने वाला है। पलामू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शैलेंद्र कुमार सिन्हा और लातेहार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने दोनों उग्रवादियों को माला पहनाकर समाज के मुख्य धारा में शामिल होने के लिए स्वागत किया।

आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि झारखंड सरकार की नई दिशा नीति का लाभ उठाकर नक्सली अपना जीवन सुधार सकते हैं। वर्ष 2025 में अब तक लातेहार जिले में 21 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, यह किसी भी जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने क्षेत्र में सक्रिय अन्य उग्रवादियों व नक्सलियों को भी आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित किया। लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि लातेहार जिले में नक्सलियों और उग्रवादियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब जिले में केवल चार से पांच नक्सली ही बचे हैं।

- आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा और एसपी कुमार गौरव ने अन्य उग्रवादियों को आत्मसमर्पण के लिए किया प्रेरित
- इस साल अब तक जिले में 21 उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण

'महागठबंधन' बनाएगा सरकार, 18 नवंबर को लेंगे शपथ : तेजस्वी यादव

PATNA @ PTI : बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव में हुई रिकॉर्ड तोड़ मतदान से स्पष्ट है कि राज्य की जनता ने इस बार बदलाव के लिए वोट किया है। तेजस्वी ने इसके साथ ही कहा कि महागठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने जा रहा है और 18 नवंबर को नई सरकार शपथ लेगी।

इस बार पिछले चुनाव की अपेक्षा पड़े हैं 72 लाख अधिक वोट

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, इस बार 2020 की तुलना में बिहार में 72 लाख अधिक मत पड़े हैं और यह वोट 'परिवर्तन के पक्ष' में पड़े हैं। तेजस्वी ने कहा, प्रदेश में 72 लाख लोगों ने नीतीश कुमार को बचाने के लिए नहीं, बल्कि बिहार में बदलाव लाने और सरकार बदलने के लिए मतदान किया है। लोगों ने महागठबंधन के पक्ष में मतदान किया है और हम 18 नवंबर को शपथ लेंगे।

राज्य में ठंड ने बढ़ाई परेशानी, तीन जिलों में शीतलहर का येलो अलर्ट

- गुमला में 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया न्यूनतम तापमान
- राजधानी रांची में भी 11 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंच पारा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में लगातार बढ़ती ठंड ने परेशानी बढ़ा दी है। बुधवार को तीन जिलों में 14 नवंबर तक शीतलहर चलने की संभावना जताते हुए मौसम विभाग ने बुधवार को येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने अगले 5 दिनों तक न्यूनतम तापमान में किसी प्रकार के बदलाव नहीं होने की जानकारी दी है। मौसम विभाग ने राज्य के जिन तीन जिलों (पश्चिमी हिस्से) में शीतलहर चलने की संभावना जताई है, उनमें पलामू, गढ़वा और लातेहार शामिल हैं। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड की वजह से शाम होते ही लोग अपने-अपने घरों में सिमट जा रहे हैं। सुबह में भी कनकनी महसूस की जा रही है। राज्य के अधिकतर जिलों में औसत न्यूनतम तापमान में 1 से 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, दिन में मौसम साफ रहने और अच्छी धूप खिलने की वजह से लोगों को काफी राहत मिल रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 31.4 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला में 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रांची में अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

दिल्ली कार ब्लास्ट : फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. शाहीन ने कहा-

साथी आतंकी डॉक्टरों के साथ मिलकर देशभर में हमलों की रच रही थी साजिश

NEW DELHI @ PTI : दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट की जांच के दौरान फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. शाहीन शाहिद ने बताया है कि वह अपने साथी आतंकी डॉक्टरों के साथ मिलकर देशभर में हमलों की साजिश रच रही थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शाहीन ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह पिछले दो साल से विस्फोटक जमा कर रही थी। शाहीन और उसके साथी फरीदाबाद के एक वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल से जुड़े थे। यानी इसमें शामिल लोग अच्छे पेशेवर थे। सभी जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद नाम के संगठनों जुड़े थे। इनका ग्रुप फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से गतिविधियां चला रहा था। दूसरी ओर धमाके का एक नया सीसीटीवी फुटेज बुधवार को सामने आया है। यह फुटेज शाम 6:51 बजे का है। इससे पता चलता है कि रेड सिग्नल पर गाड़ियों की भीड़ थी, तभी सामने से आ रही आई-20 कार में धमाका हुआ और कार आग के गोले में तब्दील हो गई। घटना वाली जगह से करीब 40 सैंपल कलेक्ट किए गए हैं। शुरूआती जांच में पता चला है कि एक सैंपल में अमोनियम नाइट्रेट होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि ब्लास्ट से पहले टेरर मॉड्यूल के खिलाफ कार्रवाई में जो 2900 किग्रा विस्फोटक मिला था, उसमें अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम क्लोरेट और सल्फर शामिल था।

- पूछताछ में बताया कि वह पिछले दो साल से जमा कर रही थी विस्फोटक
- जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद नाम के संगठनों से जुड़े हैं सभी
- फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से चलाई जा रही थीं सभी गतिविधियां
- धमाके का एक नया सीसीटीवी फुटेज भी आया सामने
- रेड सिग्नल पर गाड़ियों की थी भीड़, तभी सामने से आ रही आई-20 कार में हुआ धमाका
- अब तक 12 लोगों को किया जा चुका है अरेस्ट, इनमें 6 डॉक्टर शामिल
- घटना वाली जगह से करीब 40 सैंपल किए गए हैं कलेक्ट, एक में अमोनियम नाइट्रेट होने की संभावना

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विस्फोट पर पारित किया शोक प्रस्ताव

NEW DELHI : बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में दिल्ली स्थित लाल किले के पास 10 नवंबर की शाम हुए कार विस्फोट को एक घृणित आतंकवादी कृत्य करार देते हुए गहरा शोक व्यक्त किया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि बैठक की शुरूआत में मंत्रिमंडल ने इस आतंकवादी घटना में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा।

पीड़ितों से मिले प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के निकट हुए विस्फोट में घायल लोगों से बुधवार को एलएनजेपी अस्पताल में मुलाकात की और कहा अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली में बम विस्फोट में घायल हुए लोगों से मिलने एलएनजेपी अस्पताल गया। सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इस साजिश के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

उपलब्धि दुनिया की अनिश्चित आर्थिक स्थिति के बीच बेहतर प्रदर्शन के मिले संकेत

विकास की नई उम्मीद के साथ आगे बढ़ रही भारतीय अर्थव्यवस्था

PHOTON NEWS, RESEARCH : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल से अधिक के नेतृत्व में भारत की आवाज को दुनिया ध्यान से सुनती और महत्व देती है। वैश्विक आर्थिक शक्ति की दृष्टि से देखें तो अब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसके लिए किए गए चतुर्दिक प्रयासों का लाभ मिला है। कुछ वर्षों से पस्त पड़ चुकी विकास दर, भारी महंगाई और उत्पादन में कमी के दौर से उबरते हुए मोदी सरकार ने न केवल मैक्रो-इकोनॉमिक फंडामेंटल्स को मजबूत किया, बल्कि अर्थव्यवस्था को एक तेज रफ्तार विकास पथ पर ले आई। भारत की ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) विकास दर कुलांचे भर कर 6 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गई, जो दुनिया की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। सरकार ने बीच में आई प्रतिकूल स्थिति पर भी नियंत्रण कर लिया गया है। फिर से सुधार के लक्षण साफ दिखाई देने लगे हैं। कहा जा सकता है कि दुनिया की अनिश्चित आर्थिक स्थिति के बीच विकास की नई उम्मीद के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है। हांगकांग-शंघाई बैंकिंग सर्विस (एचएसबीसी) की ताजा रिपोर्ट से इसकी पुष्टि होती है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था और समग्र आर्थिक प्रक्रिया में अब और सुधार के संकेत दिखने लगे हैं। घरेलू विकास चक्र अपने निचले स्तर से ऊपर उठने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम ब्याज दरें, पर्याप्त तरलता, कच्चे तेल की गिरती कीमतें और सामान्य मानसून जैसे कारक आने वाले महीनों में विकास को रफ्तार दे सकते हैं।

तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने के लिए चतुर्दिक प्रयासों का मिला लाभ

- हर स्तर पर मैक्रो इकोनॉमिक फंडामेंटल्स को पूरी ताकत से किया गया मजबूत
- कुछ वर्षों में पस्त पड़ चुकी विकास दर और महंगाई को कंट्रोल करने में मिली सफलता
- औद्योगिक उत्पादन सूचकांक पिछले साल के मुकाबले 2.1% की दर से बढ़ा
- एचएसबीसी की हालिया रिपोर्ट में आर्थिक प्रक्रिया में और सुधार की हुई है पुष्टि

- कारगर रणनीति से घरेलू विकास चक्र अपने निचले स्तर से लगातार उठ रहा ऊपर

निवेश चक्र मजबूत रहने की स्पष्ट संभावना

रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भले ही वैश्विक व्यापार अनिश्चितता फिलहाल निजी निवेश के लिए चुनौती बनी हुई हैं, लेकिन मध्यम अवधि में भारत का निवेश चक्र मजबूत बने रहने की संभावना है। इसमें बताया गया है कि सरकार की ओर से बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ता निवेश, निजी क्षेत्र की निवेश गतिविधियों में तेजी और रियल एस्टेट सेक्टर में सुधार इस रुझान को आगे बढ़ा रहे हैं।

इन कारकों से विकास को मिलेगी गति

एचएसबीसी की रिपोर्ट में यह उम्मीद जताई गई है कि नवीकरणीय ऊर्जा और इससे संबंधित सप्लाई चेन में अधिक निजी निवेश, उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी घटकों के स्थानीय उत्पादन व वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की बढ़ती भूमिका इस विकास को गति देगी। रिपोर्ट के अनुसार, निफ्टी का मूल्यांकन अपने 10 वर्षीय औसत से थोड़ा ऊपर है। आने वाले वर्षों में यह भारतीय इक्विटी के लिए सकारात्मक बना हुआ है। हालांकि रिपोर्ट में ऐसे कारकों का भी जिक्र है, जो विकास की गति पर असर डाल सकती है। कमजोर वैश्विक विकास दर से भविष्य में मांग पर दबाव बने रहने की संभावना है।

सुरक्षाकर्मियों को बंधक बनाकर पीटा फिर बिजली के तार लूट ले गए लुटेरे

सुरक्षा की मांग को लेकर ट्रेड यूनियनों ने किया प्रदर्शन, कोलियरी का कामकाज करा दिया ठप

PHOTON NEWS DHANBAD : ईसीएल की मुगमा क्षेत्र की बैजना कोलियरी में मंगलवार की रात ड्यूटी पर तैनात दो सुरक्षाकर्मियों मृत्युंजय मंडल एवं सुखदेव भुइयां को लुटेरों ने बंधक बनाकर पीटा, फिर लगभग 40 फीट बिजली के तार और फिटर रूम में रखे कंप्यूटर, यूपीएस आदि ले भागे।

घटना के विरोध में बुधवार की सुबह से मजदूर यूनियनों ने संयुक्त मोर्चा के बैनर तले सुरक्षा की मांग को लेकर कोलियरी का उत्पादन ठप करा दिया। हालांकि कोलियरी के ठेकेदार प्रदर्शनकारियों और मजदूरों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन यूनियन नेता लुटेरों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। इधर, बंधक बने सुरक्षाकर्मियों ने बताया कि

कोलियरी के बाहर प्रदर्शन करते मजदूर नेता व घटनास्थल पर विद्युत आपूर्ति बहाल करने का प्रयास करते कर्मचारी ● फोटोन न्यूज

मंगलवार की सुबह लगभग तीन बजे करीब 30 लुटेरों ने धावा बोल दिया। हम दोनों खदान के सीधी घर के पास थे। लुटेरे आकर हम दोनों की पहले खूब पिटाई की, फिर बत्ती घर में बंद कर दिया। लुटेरों ने मृत्युंजय मंडल की कनपटी पर पिस्टल सटा दिया और मोबाइल फोन छीन लिया। इसके बाद लुटेरे ट्रांसफॉर्मर रूम में आए और 11 हजार वोल्ट का बिजली तार और ट्रांसफॉर्मर से स्विच रूम तक गए तार काट लिए। इसके साथ ही फिटर रूम का ताला तोड़कर उसमें रखे कंप्यूटर-यूपीएस भी ले गए। लुटेरों की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच थी। सभी ने अपने चेहरे को गमछे और रुमाल से ढंक रखा था। वे हिंदी, बांग्ला और खोरठा में बात कर रहे थे। सभी हथियारों से लैस थे। रात लगभग 3.30 बजे पुलिस का गश्ती दल पहुंचा, तो उन्होंने हम दोनों को बंधन मुक्त किया। वहीं, सुबह में जब मॉर्निंग शिफ्ट में काम करने मजदूर आए और उन्हें मामले की जानकारी मिली तो वे आक्रोशित हो गए। ट्रेड यूनियनों के नेता-कार्यकर्ता सुरक्षा की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन करने लगे। ड्यूटी पर आए मजदूरों ने बताया कि घटनास्थल के पास ही सीआईएसएफ का कैंप है। इसके बावजूद कोलियरी में चोरी और लूट की घटना होती रहती है। कैंप से सीआईएसएफ के जवान बाहर तक नहीं निकलते। प्रबंधन कोलियरी में बंदकूधारी गार्ड की व्यवस्था करेगा, तभी हम ड्यूटी करेंगे। मजदूरों ने आरोप लगाया कि यदि मजदूरों से थोड़ी सी भी गलती हो जाती है, तो प्रबंधन मजदूर को सस्पेंड कर देता है। लेकिन, अपनी गलती को सुधारने का कोई प्रयास नहीं करता है।

आदिवासी समाज को वोट बैंक नहीं परिवार मानती है भाजपा : रघुवर

साकची के जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते रघुवर दास

JAMSHEDPUR : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रम को लेकर बुधवार को भाजपा, जमशेदपुर महानगर ने साकची स्थित जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता की। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि भारत का जनजातीय समाज 1857 से बहुत पहले ही स्वतंत्रता संग्राम की नींव रख चुका था। बाबा तिलका मांझी से लेकर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा तक हमारे देश के जनजातीय समाज ने अद्वितीय शौर्य और बलिदान का इतिहास रचा है। झारखंड नामधारी पार्टियां समेत कई अन्य दल आदिवासी समाज को केवल अपना वोट बैंक मानती हैं, जबकि भाजपा उन्हें अपने विशाल परिवार का हिस्सा मानती है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर नई दिल्ली स्थित बसेरा पार्क में उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। झारखंड में डबल इंजन सरकार के समय रांची के उस कारागार में जहां भगवान बिरसा मुंडा ने अंतिम सांस ली थी, वहां भव्य स्मारक एवं संग्रहालय का निर्माण किया गया। इस दौरान भाजपा, जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य रमेश हांसदा और जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा भी मौजूद रहे।

BRIEF NEWS

मोबाइल छिनतई मामले में दो हुए गिरफ्तार

HAZARIBAG : विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में मोबाइल छिनतई के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से एक मोबाइल फोन और एक क्लासिक बुलेट बाइक बरामद की है। मामला विष्णुगढ़ थाना(कांड संख्या 113/25) के तहत थाना में मामला दर्ज है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी विष्णुगढ़ इकबाल हुसैन के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपितों में गौतम कुमार उर्फ पप्पू (21) और सनी कुमार (22) शामिल हैं। दोनों आरोपितों के पास से चोरी की मोबाइल फोन और बुलेट बरामद की गई है। छापेमारी दल में जलाल मुंडा थाना प्रभारी इकबाल हुसैन सहित कई शामिल थे।

कोल माइंस में उतराता मिला वृद्धा का शव

DHANBAD : बाघमारा के बरोरा थाना अंतर्गत मुराईडीह कोलियरी के कोल माइंस के पोखरिया में बुधवार को एक महिला का अज्ञात शव उतराता हुआ देखे जाने पर इलाके में सनसनी फैल गयी। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया है। शव की पहचान मुराईडीह कॉलोनी निवासी 75 वर्षीय शैबुन खातून के रूप में हुई है। वहीं, उनके परिजनों द्वारा उक्त महिला के लापता होने को सूचना करीब 15 दिन पूर्व ही बरोरा थाना को दी गयी थी। वहीं मामले की सूचना पाकर बरोरा पुलिस मौके पर पहुँची और शव को निकालने में जुट गई। माइंस एरिया होने के कारण शव को काफी मशक्कत से पानी से बाहर निकाला गया। वहीं, बरोरा पुलिस की माने तो मामला पूरी तरह से संदेहास्पद होने कर कारण स्थिति किसी तरह से स्पष्ट नही हो सका है। शव के पोस्टमार्टम के बाद ही मामले का पटाक्षेप हो सकेगा।

चेन्नई से लौटी एथलेटिक्स टीम का हुआ स्वागत

CHAKRADHARPUR : झारखंड के मास्टर्स एथलीट्स की टीम ने चेन्नई में आयोजित 23वें एशियन मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने 2 स्वर्ण, 5 रजत और 2 कांस्य पदक जीतकर राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। चैंपियनशिप में भारत के अलावा 22 देशों ने भाग लिया था। झारखंड टीम के प्रबंधकों में हराबिलास दास, गुरुशरण सिंह, दिलदार सिंह एवं चक्रधरपुर रेलवे प्रभाग से पिंकी महतो शामिल थीं। टाटानगर स्टेशन पर टीम का जोरदार स्वागत हुआ। खिलाड़ियों ने अपनी जीत का श्रेय अपने कोच और प्रबंधकों को दिया है।

खूंटी में बालू लदे छह डंपरों को पुलिस ने किया जब्त

KHUNTI : खूंटी जिले के जरियागढ़ क्षेत्र में अवैध बालू कारोबार के खिलाफ जरियागढ़ थाना की पुलिस ने बुधवार को तड़के बक्सपुर के पास से अवैध बालू लदे छह डंपर को जब्त किया है। जिन वाहनों को जब्त किया गया है, उनके रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच01 एफडी 2807, जेएच01 0634, जेएच01एफआर 0106, जेएच01एफआर 1260, जेएच01 एफएम 1402 और जेएच02 बी क्यू 3032है। जब्त वाहनों को थाना परिसर में रखा गया है। आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, जरियागढ़ इलाका लंबे समय से अवैध बालू खनन और परिवहन का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार इस धंधे का विरोध किया है, लेकिन कुछ ग्रामीणों की संलिप्तता भी इस अवैध कारोबार में बताई जाती है। मंगलवार देर रात कुछ ग्रामीणों ने अवैध बालू लदे वाहनों को रोकने का प्रयास किया, जिसके बाद वन विभाग और थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कई अन्य डंपर चालक बालू लदी या खाली गाड़ियों के साथ भागने में सफल रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्रवाई सराहनीय है, लेकिन जरियागढ़ क्षेत्र में अवैध बालू कारोबार अब भी पूरी तरह थमा नहीं है। ग्रामीणों ने ऐसी कार्रवाई नियमित रूप से जारी रखने की मांग की है ताकि इस अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

बीफ्रेंडर्स के राष्ट्रीय सम्मेलन में जमशेदपुर ने जीता तृतीय पुरस्कार

JAMSHEDPUR : आत्महत्या निवारण केंद्र जीवन, जमशेदपुर के 8 वालंटियर्स ने हाल ही में कालीकट-केरल में पिछले दिनों आयोजित बीफ्रेंडर्स इनिशिएटिव के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में देशभर के 14 केंद्रों द्वारा आत्महत्या निवारण से संबंधित विविध विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। जीवन संस्था के वालंटियर्स ने युवा मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या विषय पर अपनी प्रस्तुति दी, जिसे तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जीवन की संयुक्त निदेशक गुरप्रीत कौर भाटिया को आगामी तीन वर्षों के लिए बीफ्रेंडर्स इनिशिएटिव की सचिव के रूप में पुनः निर्वाचित किया गया। संस्था की कार्यकरिणी इस प्रकार है- अध्यक्ष : लाइफलाइन, कोलकाता से मंजीत, सचिव : जीवन, जमशेदपुर से गुरप्रीत कौर भाटिया तथा कोषाध्यक्ष अहमदाबाद से सुधीर मनकोडी। जीवन से भावनात्मक सहयोग के लिए कोई भी व्यक्ति 9297777499 या 9297777500 पर संपर्क कर सकता है। आमने-सामने बातचीत के लिए जीवन आत्महत्या निवारण केंद्र , 25 क्यू रोड, बिष्टुपुर, जमशेदपुर पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक पहुँचा जा सकता है।

एनएमएल में हुई जंग व घर्षणरोधी कोटिंग टेक्नोलॉजी पर कार्यशाला

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व प्रतिभागी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला, जमशेदपुर तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित उत्कृष्टता केंद्र के तत्वावधान में बुधवार को माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज तथा सहयोगी उद्योगों के लिए जंग और घर्षणरोधी कोटिंग प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला हुई। इस कार्यक्रम में 35 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें क्षेत्र की प्रमुख औद्योगिक इकाइयां एवं एमएसएमई संस्थान शामिल थे। प्रमुख संस्थाओं में एमडेट जमशेदपुर प्रा. लि., न्यू एरा कंपनी, शिवा इनऑर्गेनिक्स, वैलर वायर्स प्रा. लि., मिका मोल्ड, एक्रोपॉली मेटल प्रा. लि., गर्ग इंजीनियर्स प्रा. लि., प्रोमिस इंडस्ट्री, फर्नेस एनर्जी, मेटाफैब, टाटा ब्लूस्कोप, कॉरकिल, खेतान उद्योग तथा टाटा मोटर्स, जमशेदपुर प्लांट शामिल रहे। डॉ. संदीप घोष चौधुरी, निदेशक, डॉ. एस. शिवप्रसाद, वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक, प्रमुख- एमटीई एवं सलाहकार (मानव संसाधन समूह), सीएसआईआर-एनएमएल ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने औद्योगिक कॉम्पोनेंट की टिकाऊपन एवं लाइफ बढ़ाने में उन्नत कोटिंग्स प्रौद्योगिकियों की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा उद्योग-अनुसंधान सहयोग के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. रघुवीर सिंह, प्रमुख- उन्नत सामग्री एवं संक्षारण विभाग एवं कार्यक्रम समन्वयक ने बताया कि यह कार्यक्रम कैसे एमएसएमई एवं सहयोगी उद्योगों द्वारा विशिष्ट तकनीकी चुनौतियों के समाधान हेतु लक्षित वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप प्रदान करता है। डॉ. शैलेन्द्र के. झा- कार्यक्रम संयोजक, ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

नो-एंट्री के आंदोलन में कैद तुलसी के गर्भस्थ शिशु की हो गई मौत

पत्रकारों से बात करते माधव चंद्र कुंकल

● जिला परिषद के सदस्य माधव कुंकल ने जिला प्रशासन को लिखा पत्र
मारपीट का लगाया आरोप
दोषी पर कार्रवाई की मांग

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत चाईबासा जेल में बंद महिला कैदी तुलसी पुरती के पेट में पल रहे दो माह के बच्चे की मौत हो गई है। महिला की स्थिति खराब होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मृत बच्चे का प्रसव कराया गया। इसके बाद महिला को जेल भेज दिया गया। इस मामले को लेकर जिला परिषद के सदस्य माधव चंद्र कुंकल ने जिला प्रशासन को पत्र लिखा है और आरोप लगाया है कि महिला के साथ मारपीट की गई है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है और दोषियों पर कार्रवाई की मांग रखी है। गौरतलब है कि पिछले दिनों (27-28 अक्टूबर 2025) को चाईबासा में नो एंट्री लागू करने की मांग को लेकर आदिवासी समाज के लोग सड़क पर उतरे थे और जमकर प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस ने लाठी चलाई और दर्जनों लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस महिला को भी जेल भेजा गया था। इस घटना से अब एक बार फिर लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है।

माधव चंद्र कुंकल ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के तानाशाही रवैए के कारण यह घटना हुई है। परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। शासन-प्रशासनिक की लापरवाही से एक बच्चा जो दुनिया में आने वाला था, उसकी मौत हो गई। यह बहुत ही दुखद है कि एक गर्भवती महिला को जबरन जेल भेजा गया।

प. सिंहभूम के सभी प्रखंडों में हुआ आवास योजनाओं का गृहप्रवेश

CHAIBASA : झारखंड राज्य स्थापना के 25वें गौरवशाली वर्ष के उपलक्ष्य में पश्चिमी सिंहभूम जिले के सभी 18 प्रखंडों में गृहप्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विभिन्न पंचायतों में 12 नवंबर को अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना व बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजना अंतर्गत चयनित लाभुकों के लिए गृहप्रवेश कार्यक्रम में पूजा-अर्चना की गई। इस मौके पर मंत्री दीपक बिरुवा, विधायक खरसावां दशरथ गागराई, विधायक मनोहरपुर जगत माझी तथा अन्य जनप्रतिनिधि, संबंधित बीडीओ आदि उपस्थित रहे। इस दौरान लाभुकों ने अपने अनुभव साझा किए। इस योजना के तहत प्रत्येक लाभुक को तीन कमरों वाले पक्के मकान के साथ-साथ शौचालय एवं नल से जल योजना का भी लाभ दिया जा रहा है।

हजारीबाग में ढाबों पर पड़ा छापा, जब्त की गई शराब

शराब की बोतलें जब्त करते जवान

HAZARIBAG : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देशानुसार जिले में सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देशन में बुधवार को विष्णुगढ़ एवं टाटीझरिया थाना क्षेत्र में सघन छापामारी अभियान चलाया गया। इस दौरान विष्णुगढ़ थाना अंतर्गत खरकट्टो ग्राम स्थित दिनेश यादव के घर- सह- दुकान में छापेमारी कर 8.64 लीटर विदेशी शराब तथा 23.4 लीटर बियर बरामद की गई। वहीं टाटीझरिया थाना क्षेत्र के गिरिधारी साव के होटल एवं नेशनल हाईवे किनारे संचालित होटल शीतल, होटल यादव जी, संध्या होटल तथा सन्नी लाइन होटल में भी छापामारी की गई, जहां से 35 लीटर महुआ शराब बरामद हुई। सभी मामलों में संबंधित अभियुक्तों के विरुद्ध अभियोग दर्ज करते हुए उन्हें फरार अभियुक्त घोषित किया गया है। यह छापामारी अभियान अवर निरीक्षक (उत्पाद) कृष्णा प्रजापति, अवर निरीक्षक (उत्पाद) भुनेश्वर नायक तथा प्रतिनियुक्त गृह रक्षकों की टीम द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया।

लोकधुन पर थिरका पलामू स्ट्रीट डांस में खूब झूमे लोग

कार्यक्रम का आनंद उठाते लोग

PALAMU : झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय पलामू की ओर से मेदिनीनगर के छहमुहान पर स्ट्रीट डांस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न कला एकेडमी एवं डांस एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने झारखंडी आदिवासी नृत्य और पारंपरिक गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। शुरूआत पारंपरिक आदिवासी परिधानों में सजी छात्राओं द्वारा सड़क किनारे प्रस्तुत नृत्य से हुई। इसके बाद मंच पर गीत-नृत्य के रंग बिखरे। पारंपरिक पोशाकों में सजे छात्र-छात्राओं ने झारखंड के लोकनृत्य, नागपुरी, संथाली, करमा आदि की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। जोश और ऊर्जा से भरपूर प्रदर्शन के दौरान छहमुहान चौक पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। मौके पर पलामू उपायुक्त समीरा एस ने कहा है कि राज्य स्थापना दिवस को लेकर प्रतिदिन कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से आमलोगों में राज्य स्थापना दिवस का गर्व और अपनत्व का भाव जागृत होता है।

रजत पर्व

राज्य सरकार का लक्ष्य- सबको मिले रोटी, कपड़ा व मकान : सांसद

कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद सुखदेव भगत

AGENCY LOHARDAGA : राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने के बाद झारखंड स्थापना दिवस समारोह को आकर्षक बनाने को लेकर जारी पांच दिवसीय जिला स्तरीय समारोह के दूसरे दिन बुधवार को अबुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों के गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन कुडू पंचायत के माखाटोली गांव में आयोजित किया गया।

गृह प्रवेश कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद सुखदेव भगत विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, उपायुक्त डॉ कुमार ताराचंद डीडीसी दिलिप प्रताप सिंह शेखावत एससी जितेंद्र मुंडा तथा अन्य थें। समारोह में अबुवा आवास की लाभुक अनिता उरांव प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुको रामी उरांव और मंगला उरांव का गृह प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि राज्य सरकार बेहतर कार्य कर रही है। गरीबों की सरकार मे गरीबी हटाने को लेकर राज्य की महागठबंधन की सरकार कई जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य हैं कि आमजनों का जो सपना है अपना रोटी, कपड़ा तथा मकान का उसे साकार किया जाए। राज्य सरकार अबुवा आवास दे रही है, खाधान दे रहीं हैं साथ हीं मुख्यमंत्री धोती, साड़ी योजना के तहत कपड़ा दे रहीं हैं। मौके पर उपायुक्त डॉ. कुमार ताराचंद ने कहा कि आमजनों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए जिला प्रशासन प्राथमिकता के आधार पर कार्य कर रही है। जिला मे 60 से 70 प्रतिशत आमजनों को अबुवा आवास, प्रधानमंत्री आवास, अंबेडकर आवास, मछुआरा आवास का लाभ दिया गया है। राज्य गठन के 25 वर्ष के मौके पर झारखंड स्थापना दिवस को आकर्षक बनाया जायेगा। सभा को विधायक डॉ रामेश्वर उरांव डीडीसी दिलिप प्रताप सिंह शेखावत तथा अन्य ने संबोधित किया। मौके पर बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

तोरपा में 109 लाभुकों को सौंपी गई घर की चाबी

KHUNTI : तोरपा प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को विभिन्न पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 109 आवासों का गृह प्रवेश कराया गया। इनमें 95 अबुआ आवास, 13 प्रधानमंत्री आवास, तथा एक अम्बेडकर आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवास शामिल हैं। सभी लाभुकों ने अपने नये घरों में विधिवत प्रवेश किया। मुख्य कार्यक्रम प्रखंड कार्यालय में आयोजित किया गया, जहां जिला परिषद सदस्य सुशांति कोनगाड़ी ने लाभुकों को आवास की चाबी एवं प्रमाण पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अबुआ आवास योजना के माध्यम से आमजनों के अपने घर के सपने को पूरा कर रही है, जिससे ग्रामीण परिवारों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध हो रहा है। इस अवसर पर प्रमुख रोहित सुरीन, मुखिया विनीता नाग, जॉन तोपनो, बुधराम कंडुलना, बीडीओ नवीन चंद्र झा, बीपीओ नरेंद्र कुमार, अमित कुमार, उप मुखिया राजू साहू सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान लाभुकों ने सरकार के इस प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया।

BRIEF NEWS

सहकारिता संघ की बैठक में जिला इकाई का किया गया गठन

RANCHI : झारखंड कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, रांची बोर्ड की ओर से बुधवार को हिनू इंदिरा पैलेस में एक बैठक आयोजित करते हुए जिला फेडरेशन का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रबंध निदेशक अफ्रेम जॉर्ज कुजूर ने की। प्रबंध निदेशक अफ्रेम जॉर्ज कुजूर ने बैठक में कहा कि लोगों को कैसे अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जाए, इसके लिए रांची जिला क्षेत्र समेत अन्य जिलों में लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। कार्यशाला आयोजित कर लाभुकों को प्रशिक्षण देते हुए फेडरेशन के कार्यों को समझाने पर भी बल देना चाहिए। फेडरेशन में नए सदस्यों को सदस्यता प्रदान करने और डायरी कैलेंडर प्रिंटिंग के लिए भी प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में प्रबंध निदेशक अफ्रेम जॉर्ज कुजूर, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी मनोज कुमार सिन्हा, अनुमंडल अंकेक्षण पदाधिकारी अंजन चौधरी, अध्यक्ष निदेशक सत्येंद्र चौहान समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बस चालकों ने अपनी समस्याओं पर सांसद को सौंपा ज्ञापन

RANCHI : बस चालक कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर राज्यसभा सांसद महुआ माजी को ज्ञापन सौंपा। संघ के सचिव राणा बजरंगी सिंह ने बताया कि ड्राइवरों की समस्याओं का समाधान और उन्हें जागरूक करने के लिए बिरसा बस स्टैंड स्थित नगर निगम द्वारा बनाए गए स्थान को संघ को उपयोग के लिए दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल ड्राइवर और खलासी के इलाज में वाहन मालिक अक्सर सहयोग नहीं करते हैं। ऐसे में संघ उनकी मदद करता है। लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण यह मुश्किल हो रहा है। इसलिए सरकार से आर्थिक सहायता की आवश्यकता है ताकि जरूरतमंद ड्राइवरों की समय पर मदद की जा सके। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष विश्वनाथ मिश्र, सचिव राणा बजरंगी सिंह, कोषाध्यक्ष मोहम्मद महफूज, मोहम्मद इकरामुल हक और मोहम्मद यासीन मौजूद थे।

तनुज खत्री ने कल्पना सोरेन को भेंट की अपनी पुस्तक 'टेलीकॉम सुनामी'

RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केन्द्रीय सदस्य डॉ. तनुज खत्री ने बुधवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की और अपनी नवप्रकाशित पुस्तक टेलीकॉम सूनामी की एक प्रति उन्हें भेंट की। इस अवसर पर कल्पना सोरेन ने डॉ. तनुज खत्री को उनकी नई पुस्तक के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। टेलीकॉम सूनामी पुस्तक भारत के दूरसंचार उद्योग की यात्रा, विकास, चुनौतियों और भविष्य पर आधारित है।

डिग्री मिलने के बाद शुरू होती है मेहनत और संघर्ष की यात्रा : गवर्नर

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है, जिसमें मेहनत, संघर्ष, सीख, साधना और आत्म-विश्वास का समावेश होता है। विद्यार्थी ही विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और पहचान के वाहक होते हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की आत्मा कृषि में है। कृषि केवल उत्पादन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा, परिवार, पर्यावरण और जीवन-दर्शन से जुड़ी हुई है। भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड की भूमि कृषि, वनों और जैव-विविधता से समृद्ध है। किसान केवल ह्यअन्नदाताह्न ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के आधार हैं। समाज में किसान का सम्मान ही देश की वास्तविक समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने आह्वान किया कि कृषि को केवल आजीविका नहीं, बल्कि सम्मान और नवाचार के क्षेत्र के रूप में देखा जाना चाहिए। इस वर्ष विश्वविद्यालय से 1021 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जा रही हैं, जिनमें छात्राओं की संख्या अधिक है। उन्होंने कहा कि यह बदलते भारत की नई तस्वीर है, जहां शिक्षित बेटियां समाज को दिशा दे रही हैं। वे अपने जीवन की नई यात्रा में आत्मविश्वास, ज्ञान और चरित्र के साथ आगे बढ़ें और अपने कार्यों से विश्वविद्यालय, राज्य और देश का नाम रोशन करें। भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश है और आने वाले 25 वर्षों में यही युवा शक्ति भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगी। पीएम के नेतृत्व में भारत आज विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़

राज्यपाल ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कोविड-19 महामारी के समय जब अनेक क्षेत्र संकटग्रस्त थे, तब कृषि क्षेत्र ने देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर रखा। उन्होंने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि प्रसार कार्यकताओं को देश के सच्चे विकास-नायक बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज-संपन्न राज्य होते हुए भी इसकी बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है। उन्होंने जल संरक्षण, सूक्ष्म सिंचाई, फसल विविधीकरण, लघु कृषि मॉडल, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, लाह एवं मशरूम उत्पादन जैसे क्षेत्रों में संभावनाओं पर बल दिया। कहा कि झारखंड ने दलहन उत्पादन और सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसके लिए राज्य को 'कृषि कर्मण पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया है। उन्होंने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सूकर नस्ल 'झारसूक' की प्रशंसा की, जिसकी देशभर में मांग बढ़ रही है। जहां भी जाएं, अपनी मातृभूमि, गांव, किसान और अपनी जड़ों से जुड़े रहेंराज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि आप जहां भी जाएं, अपनी मातृभूमि, गांव, किसान और अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह का किया गया आयोजन

इस वर्ष 1021 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां

विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व अन्य

उपलब्धियों की है लंबी फेहरिस्त : कृषि मंत्री

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि देश में हरित क्रांति के दौर के दौरान 1980 में छोटानागपुर के इलाके में बीएयू की स्थापना हुई। इस कृषि विश्वविद्यालय के साथ उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त जुड़ी है । देश के जीडीपी में कृषि क्षेत्र का 18 प्रतिशत का योगदान है। 70 प्रतिशत आबादी वाले समूह की ये भागीदारी वैसे तो कम है पर देश के किसानों की भूमिका को कभी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। कृषि विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को हमेशा इस बात का ध्यान रखना होगा कि कैसे किसानों की आय में वृद्धि हो, कैसे वो उन्नत कृषि के साथ जुड़ पाएं, कैसे झारखंड के किसान सशक्त बनें।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बैंक कर्मियों का किया उत्साहवर्धन, कहा-

बैंकरों में अपनी और लोगों की आय बढ़ाने की पर्याप्त क्षमता

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की 93वीं त्रैमासिक बैठक बुधवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और बैंक कर्मियों का हौसला बढ़ाने का साथ ही उन्हें महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि बैंकरों में अपनी और लोगों की आय बढ़ाने की पर्याप्त क्षमता है। वर्तमान में झारखंड की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय लगभग 1,05274 है, जबकि गिरिडीह, पलामू, चतरा, गढ़वा, दुमका और साहिबगंज समेत अन्य जिलों में यह आंकड़ा 50,000 से 60,000 के बीच ही है। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने में बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। बैंकों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड के आर्थिक विकास में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन कई बैंकों की सुस्त कार्यप्रणाली और देरी से जनता निराश है। उन्होंने 'गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना' के लंबित आवेदनों पर नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिए कि 15 दिसंबर तक सभी लंबित आवेदनों का निपटारा कर दिया जाए।

समीक्षा के दौरान पता चला कि गुरुजी क्रेडिट कार्ड के लिए 1,400 आवेदन अभी लंबित हैं, जिस पर उन्होंने इसे घोर लापरवाही बताया और लंबित आवेदनों का निपटारा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि हर योजनाओं के सुचारू और समयबद्ध क्रियान्वयन से ही युवाओं और लघु उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य पूरा होगा। बैठक में मंत्री ने 'सामाजिक सुरक्षा योजनाओं' में कमजोर प्रदर्शन, एनपीए (एनपीए) में अप्रत्याशित वृद्धि तथा कुछ जिलों में डीडीसी/डीएलबीसी बैठकें नहीं होने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि बैंक जनहित योजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि सभी बैंकों को शाखा विस्तार, वित्तीय साक्षरता और ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण वितरण को लेकर विशेष अभियान चलाना चाहिए, ताकि झारखंड की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सके।

बैठक में मुख्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, राज्य के अग्रणी बैंक, 24 जिलों के अग्रणी जिला प्रबंधक समेत कई अधिकारी पदाधिकारी मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

निगम ने नक्शा उल्लंघन के कारण अपर बाजार में सील किया भवन

RANCHI : रांची नगर निगम ने वार्ड संख्या 21, अपर बाजार स्थित अशोक कुमार जैन के भवन को नक्शा उल्लंघन और नियम विरुद्ध निर्माण के मामले में सील करने का आदेश दिया है। नगर निगम को इस भवन के नक्शा विचलन की शिकायत मिली थी। जांच में पाया गया कि भवन का स्वीकृत नक्शा आवासीय उपयोग के लिए था, लेकिन मौके पर बी+जी+3 मंजिला वाणिज्यिक भवन बनाया जा रहा था। यह स्पष्ट रूप से नक्शा उल्लंघन का मामला था।

जीएसटी घोटाले के आरोपियों को हाईकोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड उच्च न्यायालय ने 800 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के दो आरोपितों को जमानत देने से इनकार कर दिया। दोनों आरोपितों ने जमानत के लिए याचिका दायर की थी। झारखंड उच्च न्यायालय ने बुधवार को कोलकाता के कारोबारी मोहित देवड़ा और शिव देवड़ा की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद दोनों की याचिकाओं को खारिज कर दिया। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की

अदालत में दोनों की याचिका पर सुनवाई हुई। दोनों आरोपितों पर शेल कंपनियों के नाम पर जीएसटी इंट्री कर 800 करोड़ से अधिक के फजीर्वाड़े का आरोप है। इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रही है। ईडी ने इस मामले के सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया था। सभी आरोपित फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

बिहार में 'महागठबंधन' हारा तो कांग्रेस और राजद होंगे जिम्मेदार : सुप्रियो भट्टाचार्य

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से कहा गया है कि महागठबंधन यदि बिहार विधानसभा का चुनाव हारता है तो इसकी जिम्मेवारी राजद और कांग्रेस पार्टी की होगी। पार्टी के महासचिव सुप्रियो भटटाचार्य ने बुधवार को झामुमो कैंप कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि झामुमो बखूबी जानता है कि उसे बिहार चुनाव 2025 के परिणाम के बाद झारखंड महागंठबंधन को लेकर किस तरह से समीक्षा करनी

है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में यदि झामुमो साथ होता तो बात कुछ अलग होती। बिहार के चुनाव में कांग्रेस और राजद के निर्णय को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। घाटशिला उपचुनाव पर भट्टाचार्य ने घाटशिलावासियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर शहरों में मतदान ज्यादा होने कि बातें कही जाती है। लेकिन पहली बार है जब गांव के लोगों ने बडी संख्या में मतदान किया। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार में जहां एक ओर झारखंड के पांच पूर्व मुख्यमंत्री और ओडिशा के मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार किया वहीं दूसरी ओर झामुमो के एक मुख्यमंत्री अपने छह साल के कार्यकाल की उपलब्धियों के साथ दिखे।

दिल्ली धमाके के बाद रांची में सुरक्षा अलर्ट रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर सख्त निगरानी

PHOTON NEWS RANCHI : दिल्ली में हुए बम धमाके के बाद झारखंड की राजधानी रांची में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। राजधानी के प्रमुख स्थलों बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची रेलवे स्टेशन, हटिया और मुरी स्टेशन सहित रांची रेल मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एहतियातन चौकसी बढ़ाते हुए अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। डॉग स्क्वायड टीमों की तैनाती की गई है और यात्रियों और वाहनों की सघन जांच जारी है। एयरपोर्ट सुरक्षा समिति की बैठक के बाद विमान सुरक्षा मानकों को और मजबूत किया गया है। वहीं, रांची रेल मंडल के

अंतर्गत आने वाले सभी प्रमुख स्टेशनों को सुरक्षा घेरे में लेकर हाई अलर्ट पर रखा गया है। आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस मिलकर सुरक्षा का संयुक्त अभियान चला रही है। रांची रेल मंडल में सुरक्षा हमेशा से सख्त रही है, लेकिन केंद्रीय गाइडलाइन के तहत और भी कई नए उपाय जोड़े गए हैं। स्टेशनों पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, पार्किंग जोन और प्लेटफार्मों पर गश्त बढ़ाई गई है। डॉग स्क्वायड और बम डिटेक्शन टीम लगातार निरीक्षण कर रही है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की तुरंत जांच की जा रही है। यात्रियों से भी अपील है कि वे किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत सूचना दें। कमांडेंट ने बताया कि रांची, हटिया और मुरी जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों के अलावा अन्य छोटे स्टेशनों को भी सुरक्षा के घेरे में रखा गया है। सभी प्लेटफार्मों और प्रवेश द्वारों पर जांच व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है। रांची रेल मंडल के लोहरदगा रेलवे स्टेशन पर भी विशेष सुरक्षात्मक कदम उठाए गए हैं।

भाजपा आदिवासी समुदाय के सर्वांगीण विकास और उनके गौरव व सम्मान के लिए प्रतिबद्ध : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास, उनके गौरव और सम्मान बढ़ाने के लिए संकल्पित और समर्पित है। झारखंड में भाजपा के अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को प्रेस वार्ता के दौरान ये बातें कही। मरांडी ने कहा कि बार-बार भाजपा संगठन और भाजपा सरकारों ने इस भाव को धरातल पर उतारा है। झारखंड इस दृष्टि से अग्रणी है। आज विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्षगांठ को 'राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस' घोषित किया, जो यह बताता है कि झारखंड का जनजाति समाज,यहां की भाषा और संस्कृति प्रधानमंत्री मोदी के दिल में बसता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह जनजाति गौरव दिवस केवल जनजाति समाज का ही सम्मान नहीं, बल्कि झारखंड के साढ़े तीन करोड़ जनता का सम्मान है। इसके पूर्व भी भाजपा की सरकार ने ही श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में अलग झारखंड राज्य का सपना साकार किया। अलग राज्य गठन की तिथि भी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को ही निर्धारित किया गया।

जनजातियों की हितैषी रही है बीजेपी : बाबूलाल मरांडी

बीजेपी प्रदेश कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बीजेपी और उसकी सरकार हमेशा से जनजातियों के हितैषी रही है। झारखंड के निर्माण से लेकर जनजातीय गौरव दिवस मनाने का निर्णय बीजेपी के शासनकाल में ही हुआ है। अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड का निर्माण किया और पीएम नरेंद्र मोदी ने आदिवासियों को सम्मान देने के लिए जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया, जिससे 15 नवंबर को देशभर में यह मनाया जा रहा है।

जरूरत विविध भाषाओं के संरक्षण पर उठ रहे सवाल

राज्य गठन के 25 साल बाद भी नहीं बनी भाषा परिषद

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य गठन के 25 साल पूरे होने के बावजूद झारखंड में अब तक भाषा परिषद का गठन नहीं हो सका है। देश के कई राज्यों में जहां भाषा परिषद सक्रिय रूप से काम कर रही है और स्थानीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन तथा विकास में योगदान दे रही है, वहीं झारखंड में इस दिशा में पहल कागजों तक ही सीमित दिखाई देती है। यह स्थिति उस राज्य के लिए चिंताजनक मानी जा रही है, जहां भाषाई विविधता उसकी पहचान है।

झारखंड में फिलहाल झारखंड भाषा परिषद नाम से कोई एकीकृत संस्था नहीं है, हालांकि राज्य में भाषाओं और साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए कुछ स्वतंत्र संगठन कार्यरत हैं, जैसे झारखंड साहित्य अकादमी और नागपुरी भाषा परिषद। झारखंड साहित्य अकादमी का गठन हाल के सालों में हुआ है, जिसमें स्थानीय भाषाविदों और साहित्यकारों को जोड़ा गया है जबकि नागपुरी भाषा परिषद, क्षेत्रीय स्तर पर नागपुरी भाषा और संस्कृति को सहेजने का काम कर रही है। भाषा परिषद किसी भी राज्य की भाषाई विरासत को संरक्षित करने, नई पीढ़ी को भाषा और साहित्य से जोड़ने तथा भाषाई एकता को प्रोत्साहित करने का कार्य करती है। ये संस्थाएं न केवल पुस्तकों के प्रकाशन और साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं बल्कि लेखकों, कवियों और भाषाविदों को सम्मानित भी करती हैं। भारत के कई राज्यों में ऐसी परिषद दशकों से सक्रिय हैं। पश्चिम बंगाल में भारतीय भाषा परिषद (1975), बिहार में बिहार राष्ट्रभाषा परिषद (1950) और दिल्ली में भाषा भारती परिषद इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इन संस्थाओं के माध्यम से स्थानीय भाषाओं का समृद्ध साहित्य तैयार हुआ है और नई रचनात्मक पीढ़ी को मंच मिला है।

भाषा परिषद राज्य की भाषाई विरासत को संरक्षित करने का करती है कार्य

झारखंड की भाषाई विविधता

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार, झारखंड में 170 से अधिक मातृभाषाएं बोली जाती हैं। राज्य की आधिकारिक भाषा हिंदी है, जबकि दूसरी आधिकारिक भाषा उर्दू को मान्यता प्राप्त है। इसके अलावा राज्य में अनेक जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाएं जैसे संथाली, मुंडारी, हो, खड़िया, कुड़ुख, नागपुरी, खोरठा, कुरमाली, पंचपरगनिया, मगही, मैथिली, अंगिका और भोजपुरी व्यापक रूप से बोली जाती है। यह विविधता झारखंड की सांस्कृतिक पहचान है लेकिन इस बहुभाषिक विरासत को संरक्षित करने के लिए संस्थागत प्रयासों का अभाव महसूस किया जा रहा है।

हीमोफीलिया मरीजों के परिजनों ने रोका स्वास्थ्य मंत्री का काफिला

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में हीमोफीलिया ग्रस्त बच्चों को फैक्टर-8 चढ़वाने आये परिजनों को आज अपने नौनिहालों के जीवन के खातिर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की गाड़ी तक रुकवानी पड़ गई। दरअसल, आज रिम्स के चिकित्सकों ने हीमोफीलिया ग्रसित मरीजों को फैक्टर-8 चढ़ाने का पर्चा ही नहीं बनाया, परिजनों के अनुसार कल की एक घटना के विरोध में चिकित्सकों ने ऐसा किया था। इसके बाद हिमोफिलिक मरीजों के सभी परिजन रिम्स प्रशासनिक भवन पहुंच गए और जैसे ही रिम्स जीबी की बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री का काफिला आगे बढ़ा, हीमोफीलिया ग्रसित बच्चों के परिजनों ने मंत्री के

काफिले को रुकवा कर अपनी पीड़ा सुनाई। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि उन्होंने तत्काल रिम्स निदेशक को निर्देश दे दिया है कि वह हीमोफीलिया मरीजों की समस्याओं का समाधान कराएं। मरीजों के परिजनों ने कहा कि मरीज को अस्पताल में दवाई (फैक्टर-8) नहीं मिल रही। इसी वजह से उन्होंने मंत्री की गाड़ी रोक उनसे अपनी व्यथा बताई है।

आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन पर चलाया सघन जांच अभियान

RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे स्टेशन पर सघन जांच अभियान चलाया। आरपीएफ से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार रांची रेल मंडल के कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर लोहरदगा आरपीएफ पोस्ट के अधिकारियों और स्टाफ की ओर से वर्तमान सुरक्षा परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए स्टेशन परिसर, सकुर्लेटिंग एरिया तथा पार्किंग जोन में सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान अल्ट्रा वेहिकल स्कैनिंग सिस्टम (यूवीएसएस) मशीन की सहायता से सभी वाहनों की गहन जांच की गई, परंतु किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। पार्किंग स्टाफ से पूछताछ करने पर यह जानकारी मिली कि पार्किंग क्षेत्र में कोई भी वाहन लंबे समय से खड़ा नहीं है।

समाचार सार

बाइक चोरी कर भाग रहे दो चोर दबोचे गए

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में चक्रधरपुर पुलिस ने दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अगस्ती प्रधान और सुसेन प्रधान शामिल हैं, जो सरायकेला-खरसावां जिले के रहने वाले हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ अज्ञात व्यक्ति खूंटपानी मेला से बाइक चोरी कर सोनुवा की ओर भाग रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने रामचंद्रपुर स्थित सोनुवा रोड पर वाहन चेकिंग लगाई और दो बाइक सवारों को रोककर पूछताछ की। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने खूंटपानी मेला से बाइक चोरी की थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सोनारी में कांग्रेस नेत्री के घर 10 लाख की चोरी

JAMSHEDPUR : सोनारी थाना क्षेत्र के आदर्श नगर फेज-4 में महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष पुनीता चौधरी के घर से करीब 10 लाख रुपये के जेवरात और नकदी चोरी हुई है। घटना उस समय हुई, जब पुनीता चौधरी एक हफ्ते से अस्पताल में भर्ती हैं। परिवार के सभी सदस्य उनके इलाज में लगे थे। घर खाली होने का फायदा उठाते हुए चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर अलमारी में रखे कीमती आभूषण व नकदी ले भागे। हालांकि चोरों के घर में घुसने और निकलने की पूरी तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

अबुल कलाम आजाद की मनाई गई जयंती

GHATSILA : सोना देवी विश्वविद्यालय में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया गया, जिसमें देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती भी मनी। राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. शिवचंद झा व संस्कृत की सहायक प्राध्यापक कुमारी निकिता ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर छात्रों ने भी शिक्षा के प्रति अपने विचार प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चला प्रशिक्षण सत्र

GHATSILA : संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में बुधवार को कक्षा प्रबंधन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र की शुरूआत शिक्षाविद सपना मिश्रा के टिप्स फॉर हैप्पी क्लासरूम के साथ हुई। प्राचार्य श्रीनिवास मिश्रा ने भी क्लासरूम मैनेजमेंट के विभिन्न तरीके बताए। इस सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र तथा एनडीटीवी में कई करंट अफेयर्स प्रोग्राम के शोधकर्ता रहे नरेंद्र मिश्रा भी प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, इक्कीसवी सदी के कौशल की रूपरेखा, स्कूली शिक्षा की संरचना, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी, कला एकीकरण, परख आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। अनूप कुमार पटनायक, विद्यालय सह सचिव एस के देवड़ा, रामगोपाल चौमाल तथा प्रशासक डॉ. प्रसेनजीत कर्मकार भी उपस्थित थे।

नववर्ष पर हुड़दंग किया, तो ग्रामीण लगाएंगे जुर्माना

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में नववर्ष के आगमन को लेकर गुलकेडा पंचायत के चिरूबेडा गांव में बुधवार को गांव के बुजुर्ग मछुआ बारला की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक हुई। इसमें उपमुखिया रवि गोप भी मौजूद थे। ग्रामीणों ने कहा कि नववर्ष आने में कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। संजय नदी के पंप डैम में पिकनिक का माहौल रहता है। यहां शराब का सेवन तो होता ही है, प्रेमी-प्रेमिका भी अपनी हरकतों से माहौल खराब करते हैं। इस बार पिकनिक स्थल पर शराब पीते हुए पकड़े जाने पर 500 एवं अभद्र व्यवहार पर प्रेमी-प्रेमिका से 1000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। पिकनिक के मौसम में लोग परिवार के साथ आनंद उठाएं, लेकिन डैम के आसपास शराब के सेवन पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। इस दौरान विभिन्न स्थानीय समस्याओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में सुराय बारला, सावित्री बारला, बबलू बारला, राजेन बारला, बालवीर बारला, सिंगबुई बारला आदि ग्रामीण भी मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर याद किए गए महामना मालवीय

JAMSHEDPUR : भारतीय जन महासभा ने बुधवार को महामना पं. मदन मोहन मालवीय की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। अध्यक्ष धर्म चंद्र पोद्दार ने मानगो स्थित आवास और संस्था के विशेष सलाहकार प्रकाश मेहता ने आदित्यपुर में महामना के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। पोद्दार ने बताया कि पं. मालवीय ने ने गंगा महासभा, हिंदू महासभा एवं बनारस हिंदू काशी विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य को दीक्षा भी मालवीय जी ने ही दी थी।

गर्लफ्रेंड के इशारे पर अशोक ने दीपक के सीने में मार दी थी गोली

भुइयांडीह में दीपक विभार की हत्या में शामिल तीन और आरोपी गिरफ्तार, सिक्सर व पिस्टल बरामद

- दोस्त की प्रेमिका पर थी नजर, मना करने पर की थी बदतमीजी

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में दीपावली की रात हुई दीपक विभार की हत्या लव ट्रैंगल के चलते हुई थी। दीपक ने अपने एक दोस्त की प्रेमिका पर डोरे डालने शुरू किए थे और फोन पर उसे पटाने की कोशिश की थी। युवती के मना करने पर उसे कुछ उल्टा-सीधा बोल दिया था। इस पर युवती ने अपनी सहेली को सारी बात बताई और कहा कि जब से दीपक विभार ने उससे बदतमीजी की है, वह चैन से सो नहीं पा रही है। युवती की सहेली घटना के मुख्य हत्यारोपी अशोक यादव की माशूका थी। उसने इस संबंध में अशोक से कहा कि वह दीपक विभार को सबक सिखाए। सूत्र बताते हैं कि इसी के बाद अशोक, दीपक विभार को सबक सिखाने के लिए उतावला हो गया था। उसकी गर्लफ्रेंड ने अशोक से कहा था कि वह ऐसा कर दे कि दीपक विभार फिर उसकी सहेली से कभी बात नहीं करे। बताते हैं कि अशोक यादव को 20 अक्टूबर की रात दीपक विभार भुइयांडीह कान्हू भट्ठा के पास जुए के अड्डे पर मिल गया। फिर क्या था। अशोक ने अपने एक साथी प्रेम यादव के साथ दीपक को घेर लिया। अशोक के पास एक देसी पिस्टल थी। जबकि, प्रेम यादव देसी रिवॉल्वर लिए हुए था। बताते हैं कि अशोक यादव ने दीपक को ललकारा और उससे कहा कि वह उसकी प्रेमिका की सहेली से दूर रहे। मगर, दीपक विभार नहीं मान रहा था। दीपक को खौफजदा करने के लिए अशोक यादव ने अपनी पिस्टल से एक हवाई फायरिंग की। मगर, दीपक पर इसका कोई असर नहीं हुआ। उल्टे दीपक, अशोक को देख लेने की धमकी देने लगा। इस पर गुस्से से लाल हो चुके अशोक यादव ने अपनी पिस्टल दीपक विभार के सीने पर तान दी और गोली चला दी थी। इसके बाद प्रेम यादव ने घटनास्थल पर दहशत फैलाने के लिए कई हवाई फायरिंग की थी। दीपक गंभीर रूप से घायल हुआ था और बाद में उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया था।

दोस्त के सिम के सहारे उसकी प्रेमिका तक पहुंचा था दीपक : सूत्र बताते हैं कि दीपक विभार के दोस्त ने अपना मोबाइल बेच दिया था। मोबाइल बेचने के बाद उसने इसका सिम निकाल कर दीपक विभार को दे दिया। दीपक विभार इस सिम को अपने मोबाइल में इस्तेमाल करने लगा। यह बात दोस्त की गर्लफ्रेंड को पता नहीं थी। उसकी गर्लफ्रेंड ने फोन किया तो दीपक विभार ने उठाया और उसे पटाने की कोशिश करने लगा। दीपक के दोस्त की गर्लफ्रेंड ने यह बात अपनी सहेली से बताई। उसकी सहेली घटना के मुख्य आरोपी अशोक यादव की माशूका थी। इसके बाद हत्या की पूरी पटकथा लिखी गई।

बाबूडीह कब्रिस्तान से हुई गिरफ्तारी

इस मामले में सिदगोड़ा थाने में हत्या का केस दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे के निर्देश पर डीएसपी (सिटी) के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। गुप्त सूचना पर टीम ने मुख्य अभियुक्त अशोक यादव को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके बाद घटनास्थल पर अशोक के साथ मौजूद आरोपी प्रेम यादव और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी बुधवार शाम पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बाबूडीह कब्रिस्तान इलाके से की गई। एसपी ऑफिस स्थित डीएसपी हेडक्वार्टर-1 भोला प्रसाद सिंह ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

अशोक को लिया गया था रिमांड पर

बाद में पुलिस ने अशोक यादव को रिमांड पर लिया और उससे पूछताछ की तो अशोक यादव ने बताया कि घटनास्थल पर उसके साथ सिदगोड़ा के बाबूडीह निवासी प्रेम यादव भी मौजूद था। प्रेम यादव ने बताया कि हत्या में प्रयुक्त देसी रिवॉल्वर उसके साथी बाबूडीह लाल भट्ठा निवासी रौशन यादव के पास है। इसके बाद पुलिस ने रौशन यादव को उठाया। उसने बताया कि हथियार बाबूडीह लाल भट्ठा के रहने वाले अंगद मुखी के पास है। पुलिस ने भुइयांडीह डंपिंग यार्ड से देसी रिवॉल्वर और देसी पिस्टल, दो मैगजीन और सात कारतूस बरामद कर लिया।

एमएनपीएस के बाहर झड़प में छात्र की पीठ में घोंपा चाकू, टीएमएच में इलाजरत

स्कूल की सीढ़ी पर बहस होने के बाद शुरू हो गई मारपीट

PHOTON NEWS JSR : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल के बाहर बुधवार को छात्रों के बीच झड़प ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक छात्र ने अपने दोस्तों को बुलाकर स्कूल के छात्र गोलमुरी के रहने वाले तौसीफ खान पर चाकू से हमला कर दिया। तौसीफ की पीठ पर चाकू घोंपने के साथ स्कूल परिसर और आसपास में अफरातफरी मच गई। लहूलुहान तौसीफ को इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन टीएमएच पहुंचे।

बताते हैं कि छुट्टी के बाद तौसीफ खान और एक अन्य छात्र सीढ़ी से नीचे उतर रहे थे। तभी दोनों के बीच हल्की टक्कर हो गई। मामूली बात पर उनके बीच कहासुनी शुरू हो गई और गुस्से में आरोपी छात्र ने बाहर से अपने दोस्तों को बुला लिया। कुछ देर बाद आरोपी के साथी स्कूल के मुख्य गेट के पास सड़क पर राजेंद्र विद्यालय के करीब जमा हो गए।

जैसे ही तौसीफ स्कूल परिसर से बाहर निकला, आरोपियों ने उसे घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। इसी समय एक युवक ने चाकू निकालकर तौसीफ की पीठ पर वार कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। वहां मौजूद छात्रों ने फौरन वारदात की सूचना स्कूल स्टाफ को दी। जख्मी छात्र को टीएमएच ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

टीएमएच में इलाजरत घायल छात्र

शक्की पति ने पत्नी को मारा चांटा, हो गई मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक व्यक्ति ने अवैध संबंध के शक में अपनी 35 वर्षीय पत्नी सालमी कांडुलना की हत्या कर दी। आरोपी पति पृथ्वी कंडुलना ने पुलिस को बताया कि उसने मंगलवार की रात को अपनी पत्नी को डोमलाई गांव के सुकरा टोपनो के साथ आपत्तिजनक अवस्था में देख लिया था, जिसके बाद उसने अपनी पत्नी को थप्पड़ मार दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को बरामद कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए चक्रधरपुर भेज दिया है। सुकरा टोपनो ने कहा कि वह सालमी को अपनी बहन मानता था और उसकी पत्नी को ढूंढते हुए पुरनापानी गांव आया था। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

कपाली में पकड़ा गया चोर लोगों ने की जमकर पिटाई

JAMSHEDPUR : सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली ओपी क्षेत्र से बुधवार को रंगेहाथ चोर पकड़ा गया। यहां सरफुद्दीन मस्जिद के पास रहने वाले मकसूद आलम सुबह घर का सामान लेने के लिए पास के टीओपी चौक गए थे। इसी बीच उनके घर में दो युवक घुस गए और चाकू दिखाकर महिलाओं को धमकाया। इसके बाद अलमारी में रखे सोने के जेवरात लेकर भागने लगे। शोरगुल सुनते ही आसपास के लोग जुट गए। लोगों ने एक युवक को घटनास्थल पर ही पकड़ लिया। जबकि, उसका साथी फरार हो गया। पकड़ा गया युवक चाकू लिए हुए था। गुस्साई भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई की और पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ में युवक ने बताया कि चोरी का सामान उसने पास की झाड़ी में फेंक दिया है। खोजने पर सोने की एक बाली मिल गई। उसने बताया कि बाकी गहने उसका साथी लेकर भाग गया।

आरोपी ने अपने साथी का नाम पिंटा बताया, जो गैस गोदाम के पास किराए के मकान में रहता है। मौके पर पहुंची कपाली ओपी पुलिस ने पकड़े गए युवक फैजान अख्तर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इसके साथ ही फरार आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है।

पकड़ा गया युवक

कल 20 राउंड में होगी मतगणना स्ट्रांग रूम में रहेगी त्रिस्तरीय सुरक्षा

JAMSHEDPUR : घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव की काउंटिंग 14 नवंबर जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज परिसर में की जाएगी। इसके लिए कुल 15 काउंटिंग टेबल तैयार की गई हैं, जहां 20 राउंड में मतगणना की जाएगी। प्रत्येक टेबल पर एक काउंटिंग सुपरवाइजर, एक काउंटिंग असिस्टेंट और एक माइक्रो-ऑब्जर्वर तैनात रहेंगे। काउंटिंग सुपरवाइजर ईवीएम की सील की जांच और प्रक्रिया की निगरानी करेंगे, जबकि काउंटिंग असिस्टेंट नियंत्रण इकाई से परिणाम पढ़कर फॉर्म में दर्ज करेंगे। माइक्रो-ऑब्जर्वर हर राउंड में पारदर्शिता सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक हॉल में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर समन्वय की भूमिका निभाएंगे। निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार वीवीपैट पर्चियों की भी गिनती की जाएगी। काउंटिंग के लिए बुधवार को कर्मचारियों की महिला विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग चली। जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने सिदगोड़ा में महिला विश्वविद्यालय में मतगणना दलों को संबोधित करते हुए कहा कि मतगणना प्रक्रिया निर्वाचन की विश्वसनीयता का सबसे अहम पहलू है, इसलिए हर एक अधिकारी चुनाव आयोग के निदेर्शों का पूरी तरह पालन करेंगे। सभी ईवीएम को स्ट्रांग रूम में सील कर दिया गया है।

घाटशिला प्रखंड में सबसे ज्यादा 73,243 लोगों ने किया वोट : विधानसभा उपचुनाव में घाटशिला प्रखंड में सबसे ज्यादा मतदान हुआ है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, घाटशिला प्रखंड में लगभग 73,243 मतदाताओं ने वोट डाले। दूसरे नंबर पर मुसाबनी प्रखंड रहा, जहां लगभग 56,923 वोट डाले गए। इसी प्रकार धालभूमगढ़ प्रखंड में 40,225 और गुड़ाबांदा प्रखंड में 13,334 लोगों ने मतदान किया।

घाटशिला उपचुनाव के ईवीएम स्ट्रांग रूम में हुए सील, प्रत्याशियों के लग गए कैंप

भाजपा के टेंट में खुद बैठे बाबूलाल, जेएमएम के शिविर में नेताओं का जमावड़ा

- कल होगी मतगणना सीसीटीवी कैमरे से 24 घंटे हो रही निगरानी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

MUJTABA RIZVI @ JSR : घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव में मतदान के बाद अब लोगों को 14 नवंबर को होने वाली मतगणना का बेसब्री से इंतजार है। मतदान के बाद ईवीएम को-आपरेटिव कॉलेज में स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में रख दी गई है। ईवीएम की रखवाली के लिए भाजपा और जेएमएम के कार्यकर्ता पूरे जोशो-खरोश के साथ को-ऑपरेटिव कालेज में डट गए हैं। यहां भाजपा और जेएमएम के तंबू नजर आ रहे हैं। जेकेएलएम का तंबू गायब है। दोनों ही खेमे में चुनाव की ही चर्चा चल रही है।

को-ऑपरेटिव कॉलेज में लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। यहां का माहौल गुलजार हो गया है। गेट पर ही सुरक्षा बल के जवान तैनात हैं। को-ऑपरेटिव कॉलेज में आम लोगों के घुसने पर पाबंदी है। गेट पर तैनात जवान सिर्फ अधिकारियों और कर्मचारियों को ही आने-जाने दे रहे हैं। सभी का आईकार्ड चेक करने के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया जा रहा है। को-ऑपरेटिव कॉलेज में अंदर घुसने के बाद मुख्य सड़क के किनारे ही जेएमएम का तंबू लगा है। यहां जेएमएम के कई वरिष्ठ नेता बैठकर चुनाव पर चर्चा कर रहे थे।

को-ऑपरेटिव कॉलेज परिसर में टेंट के अंदर बैठे झामुमो के नेता व कार्यकर्ता

इनमें पूर्व सांसद सुमन महतो के अलावा, अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हैं। चर्चा में सभी यह उम्मीद जता रहे हैं कि घाटशिला उप चुनाव में उनकी ही जीत होगी। यहां से जेएमएम चुनाव जीत रही है। पूर्व सांसद सुमन महतो कहती हैं कि सोमेश सोरेन को हराने वाला कोई नहीं है। सीएम और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने यहां डेरा डाल दिया था। काफी मेहनत की है। एक कार्यकर्ता इस पर तपाक से बोलता है- इस मेहनत का फल मीठा ही निकलेगा।

जेएमएम के टेंट से थोड़ा आगे चल कर भाजपा का तंबू है। इस टेंट में भाजपा के उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन अपने दो-तीन साथियों के साथ डटे थे।

समस्या सड़कों पर फेंका जा रहा कचरा, नगर निगम को ऑटो टिपर, कंपैक्टर और ई-रिक्शा की है जरूरत

डोर-टू-डोर कचरा उठाव से महरूम हैं मानगो के 28 हजार घर

MUJTABA RIZVI @ JSR : मानगो में अभी 28 हजार से अधिक घरों से डोर-टू-डोर कचरा उठाव नहीं हो पा रहा है। यानी, मानगो का आधा इलाका डोर-टू-डोर कचरा उठाव की योजना से महरूम है। इसके पीछे नगर निगम के पास संसाधनों की कमी है। जो एजेंसी डोर-टू-डोर कचरा उठाव कर रही है, उसे ऑटो टिपर, कैंपेक्टर और ई रिक्शा पर्याप्त मात्रा में चाहिए। मगर, नगर निगम एजेंसी की डिमांड पूरा नहीं कर पा रहा है। इस वजह से अभी मानगो के 40 प्रतिशत घरों से ही कचरा उठाव हो रहा है। सभी घरों से कचरा उठाव नहीं होने की वजह से मानगो में हर तरफ गंदगी का अंबार नजर आ रहा है। सड़कों के किनारे भी कचरे के ढेर लगे हैं। क्योंकि, जो लोग एजेंसी को कचरा नहीं दे रहे हैं, वह इसे बाहर कहीं भी फेंक दे रहे हैं। इससे मानगो गंदा नजर आता है और इसे साफ-सुथरा रखने की नगर निगम की योजना धराशायी हो गई है। मानगो में कुल 48 हजार घर हैं। इनमें से 20 हजार घरों को ही अब तक डोर-टू-डोर कचरा उठाव योजना से जोड़ा जा सका है। बाकी घरों से अभी कचरा उठाव नहीं हो रहा है। मानगो नगर निगम ने कचरा उठाव का ठेका क्यूब आदित्यपुर वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड को दिया है। मानगो नगर निगम की तरफ से इस एजेंसी को घरों से कचरा उठाव के लिए 26 ऑटो टिपर, दो रिफ्यूज कंपैक्टर, दो टाटा 407 गाड़ी दी है। जबकि, एजेंसी का कहना है कि यह संसाधन अपर्याप्त हैं। उन्हें मानगो के सभी 48 हजार घरों से कचरा उठाव के लिए और गाड़ियां चाहिए।

मानगो नगर निगम में लगे कचरा उठाव के वाहन ● फोटोन न्यूज

चाहिए ये संसाधन		मौजूदा वाहन	
ऑटो टिपर	- 54	ऑटो टिपर	- 26
मिनी कंपैक्टर	- 10	कंपैक्टर	- 2
ई-रिक्शा	- 10	टाटा 407	- 2

नगर विकास विभाग को भेजा गया गाड़ियों की खरीद का प्रस्ताव

एजेंसी के कहने पर मानगो नगर निगम ने नगर विकास विभाग को और गाड़ियां उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भेज दिया है। रांची को जो प्रस्ताव भेजा गया है, उसमें 54 ऑटो टिपर, 10 मिनी कंपैक्टर और 40 ई-रिक्शा की मांग की गई है। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि नगर विकास विभाग से प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने के बाद इन गाड़ियों की खरीद के लिए आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

उठाव में भी लापरवाही बरत रही एजेंसी

आधे से अधिक घरों से कचरा उठाव नहीं होने से मानगो की तस्वीर बदरंग नजर आती है। सड़कों के किनारे कचरे का अंबार रहता है। यही नहीं, जिन घरों से कचरा उठाव हो रहा है, वहां भी एजेंसी की तरफ से लापरवाही बरती जा रही है। कई लोगों की शिकायत है कि एजेंसी के कर्मी कभी कभी किसी घर से कचरा उठाव नहीं करते। ऐसे में घर के सामने कचरा पड़ा बदबू करता रहता है। यही नहीं, कई अपार्टमेंटों से भी ऐसी ही शिकायत है कि कर्मी कभी-कभी डंडी मार जाते हैं और दिन भर कचरा उठाव नहीं होने से कूड़ा अपार्टमेंट में ही पड़ा रहता है। लोगों का कहना है कि नगर निगम के अधिकारी इस समस्या पर ध्यान दें और घरों से रोज कचरा उठाव किया जाए।

देसी कट्टा दिखाकर धमकाने वाला युवक हुआ गिरफ्तार

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर थाना अंतर्गत मंगलवार की दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि दो लड़के एक देसी कट्टा लेकर जैतगढ़ बाजार के पास आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहे हैं। इस पर जगन्नाथपुर थाना के पुलिस पदाधिकारी विश्वनाथ हेम्ब्रम व इसरारुल हक सशस्त्र बल के साथ वहां पहुंचे। पुलिस के जैतगढ़ में बाजार टांड के पास पहुंचते ही दोनों नदी की ओर भागने लगे। इसमें एक लड़का भाग गया, जबकि दूसरा राहुल करुवा (19) पकड़ा गया। वह ग्राम हाट टांडी जैतगढ़ थाना जगन्नाथपुर का रहने वाला है। राहुल के पास से पुलिस ने देसी कट्टा बरामद कर लिया। पुलिस दूसरे लड़के की तलाश कर रही है।

कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल हैं। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरंचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण पोतों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएं

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।

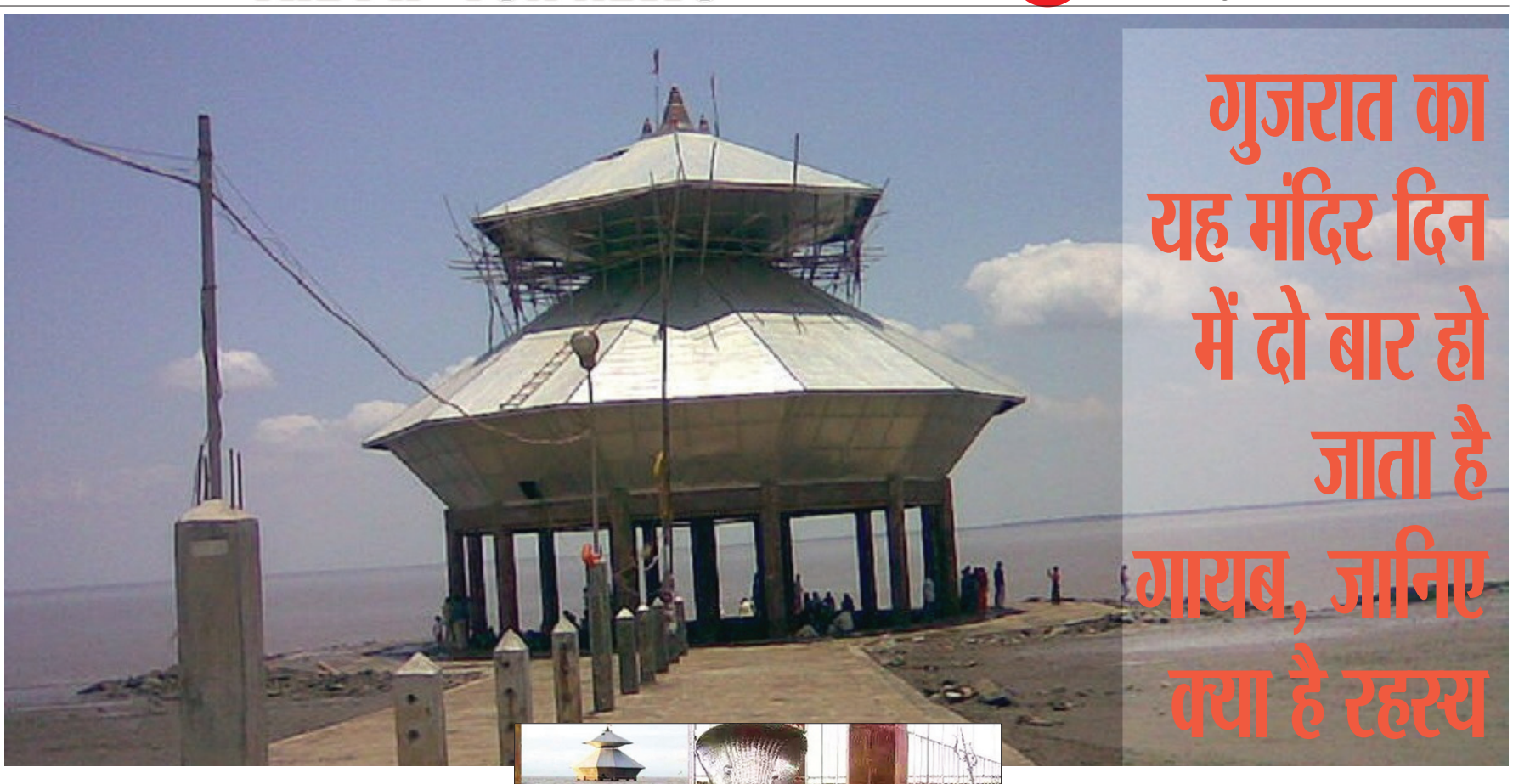

गुजरात का यह मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, जानिए क्या है रहस्य

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को 'गायब मंदिर' भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकमना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में -

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे %गायब मंदिर% भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख

स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को भगवान कार्तिकेय के ताड़कासुर नाम के राक्षस को नष्ट करने के बाद स्थापित किया था।

कहा जाता है कि राक्षस ताड़कासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब ताड़कासुर ने आशीर्वाद माँगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, ताड़कासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब ताड़कासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। ताड़कासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां ताड़कासुर का वध किया गया था।

मंदिर के गायब होने के पीछे है यह वजह

स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नज़ारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

बिना तेल और घी के जलता है दीया, तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े चमत्कारी रहस्यों के बारे में कितना जानते हैं आप?

भारत में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जहाँ भगवान स्वयं विराजमान है। यह मंदिर है भगवान तिरुपति बालाजी का जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मन्दिर भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। तिरुमला की पहाड़ियों पर बना श्री वैंकटेश?वर बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है और तिरुपति के सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति एक बार यहाँ दर्शन कर ले उसके भाग खुल जाते हैं। इस मंदिर की लोकप्रियता से हर कोई वाकिफ है पर क्या आप मंदिर के चमत्कारी रहस्यों के बारे में जानते हैं। आज हम आपको इन्हीं रहस्यों के बारे में बताने वाले हैं-

मान्यता है कि जब भगवान की पूजा की जाती है तो उनकी मूर्ति मुस्कुराने लगती है। भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति में माता लक्ष्मी भी समाहित है। मान्यता है कि भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्वयं प्रकट हुई थी।

कहा जाता है भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति पर लगे हैं बाल असली हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा मुलायम रहते हैं।

जब आप मंदिर के गर्भ गृह के अंदर जायेंगे तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वेंकटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में स्थित है, पर जब आप गर्भ गृह से बाहर आकर मूर्ति को देखेंगे तो प्रतीत होगा कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है लेकिन फिर भी भगवान की मूर्ति से समुद्र की आवाजें सुनाई देती हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि भगवान की यह मूर्ति समुद्र से प्रकट हुई थी इसलिए इससे समुद्र की आवाज सुनाई देती है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के द्वार पर एक छड़ी रखी हुई है। इस छड़ी को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित है। एक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु धरती पर माता लक्ष्मी को ढूंढने आये थे तो यह छड़ी उन्हें उनका पता बता रही थी। ऐसी मान्यता है कि यह वहीं छड़ी है जिससे बचपन में भगवान वेंकटेश्वर जी को चोट लगी थी। चोट का निशान आज भी उनकी मूर्ति के चेहरे पर है। इसलिए हर शुक्रवार उनके चेहरे पर चन्दन का लेप लगाया जाता है।

श्री तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रृंगार, प्रसाद के चढ़ाये जाने वाली सामग्री तिरुपति बालाजी के गांव से आती है। यह गांव मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

श्री वेंकेटेश्वर बालाजी मंदिर में एक ऐसा दीया रखा हुआ है जो हमेशा जलता रहता है और चौंकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था यह बात अब तक रहस्य बनी हुई है।

सर्दियों में लेना है स्नोफॉल का मजा तो जरूर जाएं भारत की इन 5 खूबसूरत जगहों पर

भारत में कई ऐसी जगहे हैं जो अपनी खूबसूरत वादियों और सर्दियों में बर्फबारी के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। अगर आप अपना विंटर वेकेशन प्लान कर रहे हैं और इस बार परिवार के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं आप स्नोफॉल का मजा ले सकते हैं-

शिमला: स्नोफॉल का जिक्र होते ही हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का नाम सबसे पहले जहन में आता है। यह स्नोफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां के हरे भरे पहाड़, ऊंची चोटियां ठंड के दिनों में बर्फ से पूरी तरह ढंककर और भी खूबसूरत दिखते हैं। शिमला को लॉन्ग मून नाइट्स यानी लंबी चांदनी रातों का मौसम भी कहा जाता है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इस मौसम में आप यहां स्कींग का भी मज़ा ले सकते हैं। शिमला में आइस स्केटिंग दिसंबर से फरवरी तक होती है।

गुलमर्ग: धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग बेहद खूबसूरत जगह है और यहां बर्फबारी का आनंद लेने का अनुभव बहुत खास होता है। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में चारों तरफ बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और इसकी खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्कीइंग करने वालों की भी भीड़ जुटती है। यहां की कुदरती खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

औली: उत्तराखंड का सबसे पुराना शहर औली बेहद सुंदर है। बर्फबारी के समय यह किसी स्वपनलोक सा दिखता है। औली भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए मशहूर है। यहां देवदार पेड़ों की लंबी कतार है। बर्फ से ढके जंगलों के बीच सैर करके आप अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

कुफरी: शिमला के अलावा हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी भी स्नोफॉल के दौरान बहुत सुंदर दिखता है और लोग यहां स्कींग के लिए आते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां सैलानियों की काफी भीड़ जुटती है। यहां लोग पहाड़ों के बीच रोमांच का मज़ा लेते हैं। हाइकिंग, स्कीइंग, खूबसूरत नजारे, देवदार के लंबे-लंबे पेड़ और सुहानी सर्द हवा का मज़ा लेना है तो कुफरी ज़रूर जाएं।

कुल्लू-मनाली: पॉप्युलर हनीमून डेस्टिनेशन कुल्लू मनाली में भी बर्फबारी का मज़ा लिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश का यह हिल स्टेशन भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। रोमांच के शौकीनों की तो यह पहली पसंद है। दिसंबर जनवरी में आकर यहां आप भी स्नोफॉल का आनंद ले सकते हैं।

चढ़ रहा है चुनावी सर्वे का बाजार, चुनावी नतीजों के लिए एक्जिट पोल पर फोकस

कांतिलाल मांडोत

बहार में चुनाव का प्रचार और पार्टी क्रियान्वयन पिछले छह महीनों से लगातार चल रहा था। हाल ही सम्पन्न बिहार चुनाव के दौरान एक्जिट पोल पर नजर है।क्योंकि एजेंसी को छोड़कर सटीक सर्वेक्षण देना मुश्किल है।दरअसल, बाजार सर्वेक्षण के बड़ा हिस्सा है।जिसके तहत कम्पनिया कोई उत्पाद बाजार में उतारने या अपने किसी निजी कम्पनियो को फायदा है।राजनैतिक सर्वेक्षण के जरिये मोटा हिस्सा ले लेती है।

वोटरों का मिजाज भांपने के लिए 1980 के दशक के अंत में भारत मे पहली बार ओपिनियन पोल किया गया था। तब से अब तक चुनाव खत्म होते ही नेता,बुद्धिजीवी और जनता जनार्दन को एक ही दिलचस्पी रहती है कि आखिर जीत किसकी ?कौन बनाएगा सरकार और किस दल का बनेगा मुख्यमंत्री ?11 नवम्बर को बिहार के चुनाव पूर्ण हो गए है।14 नवम्बर को नतीजे आएंगे।लेकिन आज ही लोगो के मन मे कुतूहल पैदा हो गया है कि बिहार में सरकार किसकी बनेगी? नीतीश या महागठबंधन की।चुनावी सर्वेक्षण और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का जन्म एकसाथ हुआ है।चुनावी सर्वे की लोकप्रियता उतनी ही है,जब तक सटीक जानकारी उपलब्ध हो।क्योकि गलत नतीजे दर्शाए जाने वाले मीडिया घरानों को जनता विस्मृत कर देती है।आज कई सर्वे मीडिया घराने पर जनता भरोसा करती है।पिछले चार दशकों से ज्यादा समय से हर चुनाव के समय का अपरिहार्य बना दिया है।आज 11 नवम्बर को एकटकी लोग टीवी चैनल पर सर्वे के लिए इंतजार कर रहे है।बिना इन सर्वेक्षणों के अभाव में भारत मे चुनावो की कल्पना भी नही की जा सकती है।हालांकि कुछ समाचार चैनल तो साल में कई बार ऐसे सर्वेक्षण करवाते है और इसके जरिये सरकारों की लोकप्रियता को प्रभावित करने वाले मुद्दो की पडताल करते रहते है।ऐसे में यह जानना दिलचस्प है कि आखिर भारत मे इन सर्वेक्षणों का अर्थशास्त्र क्या है?आखिरी इन सर्वेक्षणों को करवाने से किसका भला होता है और यदि कोई संगठन पैसे देकर ऐसे सर्वेक्षण करवाता है तो उसका कोई निजी स्वार्थ भी इसमें जुड़ा होता है।

बिहार में चुनाव का प्रचार और पार्टी क्रियान्वयन पिछले छह महीनों से लगातार चल रहा था। हाल ही सम्पन्न बिहार चुनाव के दौरान एक्जिट पोल पर नजर है।क्योंकि एजेंसी को छोड़कर सटीक सर्वेक्षण देना मुश्किल है।दरअसल, बाजार सर्वेक्षण के बड़ा हिस्सा है।जिसके तहत कम्पनिया कोई उत्पाद बाजार में उतारने या अपने किसी निजी कम्पनियो को फायदा है।राजनैतिक सर्वेक्षण के जरिये मोटा हिस्सा ले लेती है।हालांकि यह देश की तेज गति से तरक्की करने वाले सेक्टर में से एक है।देश में दो सौ से ज्यादा सर्वेक्षण कम्पनिया है जिनकी पूरे देश मे पहुंच है ।बाकि अलग अलग शहरों में छोटे स्तर पर काम करती है।लेनदेन या पैसे के मामले में कोई विशेष फायदे नही है।फिर भी

कम्पनिया इसलिए चुनावी सर्वे करवाती है कि इन्हें मुफ्त का प्रचार मिल जाता है।यदि किसी चैनल और मीडिया घराने ने ऐसी किसी एजेंसी को पैसे देकर सर्वे कराया तब तो लागत निकलने के साथ साथ कुछ फायदा भी हो जाता है।आज के दौर में चुनाव के पहले मिलने वाले सर्वे के इनपुट से कई दिनों तक पार्टी नेताओं की खुमारी बरकरार रहती है।नींद अच्छी आती है,जबकि विपरीत परिणाम वाले दलों और पार्टी नेताओं के चेहरे मुरझा जाते है।पिछले कई चुनाव में हम देख रहे है कि अलग अलग एजेंसियों के एक्जिट पोल के नितीजे अलग अलग आते है।इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि सर्वे का काम सीटों की संख्या बताना नही है।यदि हम वोट शेयर की स्थिति देखेंगे तो पाएंगे कि प्रतिष्ठित कम्पनियो के सर्वे में पाटीर्या को मिलने वाले वोट को अनुमान कमोबेश एक जैसा ही होता है।मगर इन वोटो को सीट में बदलने का फामूर्ला अलग अलग अपनाने के कारण उनके सीटों के अनुमान में भारी अंतर हो जाता है।

भारत मे यह हाल है कि वोट शेयर के बावजूद सीटे ज्यादा आती है और ज्यादा सीटे वाली पार्टी विजय घोषित की जाती है।आज के समय में त्वरीत परिणाम की चाह में राजनीतिक दल हर सीमा लांघने के लिए तैयार रहते है।आज सभी की नजरें बिहार चुनाव पर होगी।भारत मे ओपीनियन पोल का पूरा फोकस सिर्फ इस बात पर रहता है कि किसी राजनैतिक दल की कितनी सीटे आएगी।क्योकि वोट शेयर से सरकार की हार जीत निश्चित नही की जाती है।लेकिन सर्वे का काम सीट बताना है।इनके द्वारा सटीक जानकारी तो नही मिलती है लेकिन हार जीत के समीप जरूर पहुंचा दी जाती है।सर्वे के लिए चुनाव के दौरान हर पत्रकार उस वोटर से मिलकर किस दल को वोट किया है।उसको जानने की जिज्ञासा रहती है और यही आधार सर्वे का हिस्सा बन जाता है।

भारत में मीडिया ने इसे सीटों की संख्या तक सीमित कर दिया है। रमेश कोठारी कहते हैं कि सर्वे के बाद मीडिया की खबरों को देखने से यह साफ हो जाता है कि सीट की संख्या के अलावा और कोई डाटा प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जाता क्योंकि मीडिया के दिग्गज मानते हैं कि बाकी डाटा से दर्शक या पाठक बोर हो जाते हैं। इस सोच ने इन सर्वेक्षणों को मजाक बना दिया है।

कई वर्ष पहले देश में सर्वे एजेंसियों पर किए गए स्टिंग ऑपरेशन से यह खुलासा हुआ है कि दरअसल पैसे देकर सीटों के इस खेल को कोई भी अपनी ओर मोड़ सकता है। इस स्टिंग के अनुसार अधिकांश छोटी एजेंसियां पैसे लेकर रॉ डाटा में बदलाव से लेकर अंतिम निष्कर्ष तक में बदलाव करने के लिए तैयार हो गई थीं। ऐसे में माना जाता है कि भारत में चुनावी सर्वे सिर्फ मीडिया हलचल भर बनकर रह गए हैं। अकसर देखा गया है कि न तो राजनीतिक दल उन्हें गंभीरता से लेते हैं और न ही आम जनता उसके आधार पर कोई राय कायम करती है।

हाल के समय में इन सर्वेक्षणों पर भरोसा कम हुआ है। राजूसिंह कहते हैं कि चुनावी सर्वे या फिर चुनाव बाद एक्जिट पोल की पूरी प्रक्रिया वैज्ञानिक पद्धति से होती है। मगर दिक्कत तब आती है जब उसमें निजी हित समाहित हो जाता है। ऐसे में सर्वेक्षण की पवित्रता प्रभावित होती है और इससे सही निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते। राजू कहते हैं कि इसी वजह से भारत में चुनावी सर्वेक्षणों के नतीजों में एकरूपता नहीं होती और इसी के कारण वे असली परिणामों से मेल भी नहीं खाते। किए जाने वाले चुनावी सर्वेक्षणों को मीडिया के जरिए लोगों के सामने पेश करने में उनका चेहरा ही एजेंसी की तरफ से सामने रखा जाता था। उसी के जरिए उन्हें आम जनता में बेहद लोकप्रियता भी मिली।

वैसे पिछले करीब 80 फीसदी चुनावों में सीटों का 95 फीसदी तक सही आकलन करने वाली एजेंसी कई है। वे चुनावी सर्वेक्षणों के लिए मार्केट रिसर्च एजेंसियों के अंतरराष्ट्रीय एसोसिएशन द्वारा तय गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करते हैं। हालांकी कई उन एजेंसी पर आरोप लगाते हैं कि वे सर्वे के हर स्तर पर कड़ी गोपनीयता बरतते हैं और कभी भी सवाल उठने के बावजूद अपने रॉ डाटा को सार्वजनिक नहीं करते। हालांकि ग्राहकों की निजता को मुख्य वजह बताते हैं।

आज अगर देश में सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता खतरे में आ गई है तोउसके लिए पारदर्शिता का अभाव बड़ी वजह है। वैसे ओपिनियन पोल का एक दूसरा पहलू भी है। भले ही चैनलों पर दिखाए जाने वाले इन सर्वेक्षणों पर राजनीतिक दल भरोसा नहीं करते हों मगर अधिकांश दल राज्यो की स्थिति का जायजा लेने के लिए एक्जिट पोल की मदद लेते है।यह साफ है कि ओपिनियन पोल भले ही विश्वसनीयता खो रहे हों मगर उनका धंधा खत्म नहीं होने वाला। आने वाले समय में हमें और अधिक सर्वेक्षण देखने को मिलेंगे।

संपादकीय

सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति

भारत में सेवा क्षेत्र की केंद्रीय भूमिका है, लेकिन इसके भीतर अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है। अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। नीति आयोग ने समस्या पर रोशनी डाली है, लेकिन ठोस समाधान सुझाने में विफल रहा है। समस्या है सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति। आयोग ने कहा है- ह्यभारतीय आर्थिक ढांचे में सेवा क्षेत्र केंद्रीय स्थल पर है, लेकिन इसके भीतर अनौपचारिक क्षेत्र का हिस्सा बेहद बड़ा है, जहां अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है। अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था में योगदान 55 फीसदी से अधिक है, मगर यह कुल रोजगार में इसका हिस्सा एक तिहाई ही है- और उसमें भी ज्यादातर कम वेतन वाली और अनौपचारिक नौकरियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 के अंत तक सेवा क्षेत्र में 18 करोड़ 80 लाख लोगों को काम मिला हुआ था। मगर रोजगार का यह क्षेत्र ह्यगहरे ढांचागत विभाजनह्न का शिकार है। एक तरफ सूचना तकनीक, वित्त, स्वास्थ्य, और पेशेवर सेवाओं में उच्चस्तरीय रोजगार हैं, तो दूसरी ओर अनौपचारिक क्षेत्र है जिसके भीतर 55.7 प्रतिशत कर्मी स्वरोजगार श्रेणी में आते हैं। बिना सामाजिक सुरक्षा वाले वेतनभोगी कर्मियों की संख्या 29 फीसदी है। 9.2 प्रतिशत लोग घरेलू कामकाज में सहायक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि 6.2 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर हैं। स्पष्ट है, सेवा क्षेत्र ज्यादातर कर्मियों को किसी तरह जीने का सहारा भर दे रहा है। लेकिन उससे ऐसे उपभोक्ता तैयार नहीं हो सकते, जो बाजार का विस्तार करें। तो आयोग ने कहा है कि सेवा क्षेत्र के लिए नए नीतिगत नजरिए की जरूरत है, जिसका मकसद इस क्षेत्र को औपचारिक रूप देना हो। मगर ऐसा कह भर देने से तो नहीं होगा! महिलाओं और युवाओं में कौशल विकसित करने, डिजिटल एवं ग्रीन अर्थव्यवस्था की तकनीक में निवेश करते हुए उसके लिए कर्मी तैयार करने, और संतुलित क्षेत्रीय विकास की नीतियां लागू करने जैसे नीति आयोग के सुझाव गौरतलब हैं। मगर मुद्दा यह है कि ये काम कौन करेगा? क्या सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी निजी क्षेत्र पर डालने के लिए वैधानिक उपायों पर सख्ती से अमल के लिए सरकार तैयार है? क्या इसके लिए सरकार अर्थव्यवस्था में हस्तक्षेप की भूमिका अपनाएगी?

चिंतन-मनन

संवेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावतः किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से बस कार्य किए जाते हो। स्वभावतः किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुंठित करता है। दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्यं को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हांलाकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यता नहीं। जो संवेदनशील हैं, प्रायः वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्रायः असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदशील हैं, वे प्रायः औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशवील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है। वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्रायः अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान। संवेदनशील और सबल, दोनों बनो।

विश्व दयालुता दिवसः दया के रंग से जीवन की कहानी को दें नया साज

दिलीप कुमार पाठक

दया देने की आदत है, दूसरों का बोझ हल्का करने की इच्छा, या बस एक मददगार हाथ या रोने के लिए कंधा देने की इच्छा। यह हमें मानवीय बनाती है। यह हमें आध्यात्मिक रूप से ऊपर उठाती है। और यह हमारे लिए अच्छा है। -मदर टेरेसा साल भर में कई जागरूकता दिवस, सप्ताह और महीने होते हैं, लेकिन इस नवंबर में मेरे लिए सबसे खास है, क्योंकि 13 नवंबर को विश्व दयालुता दिवस मनाया जाता है, इस अंतरराष्ट्रीय उत्सव का लक्ष्य सरल है। जिसमें ऐसी दुनिया की कल्पना को साकार करना है जहां हम सभी के लिए दयावान बनें। दयालुता को अपवाद के बजाय मानक बनाना, इस उत्सव में अक्सर दयालुता के कुछ अनोखे कार्य करने के लिए समय निकालना, उसे आगे बढ़ाने के नए तरीके खोजना और व्यक्तियों को उन कार्यों से जोड़ना होता है जिनके लिए उनकी उदारता की आवश्यकता होती है। विश्व दयालुता दिवस एक ऐसा समय है, जब हम रुककर याद करते हैं कि दयालुता व्यक्तियों और समुदायों के जीवन को समान रूप से स्वस्थ और रूपांतरित कर सकती है। जैसा कि कहा जाता है, ऐसी दुनिया में जहाँ आप कुछ भी हो सकते हैं, दयालु बनें।

विश्व दयालुता दिवस की शुरूआत साल 1998 में वर्ल्ड काइंडनेस मूवमेंट संगठन द्वारा की गई थी, जिसकी स्थापना 1997 के टोक्यो सम्मेलन में दुनिया

भर के दयालु संगठनों द्वारा की गई थी। यह कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों में मनाया जाता है। 2009 में, सिंगापुर ने पहली बार यह दिन मनाया इटली और भारत ने भी यह दिन मनाया। ब्रिटेन में विश्व दयालुता दिवस की सह-स्थापना 2010 में हुई, जब दया-संगठन के संस्थापक डेविड जेमिली ने माइकल लॉयड-व्हाइट के अनुरोध पर इस पहल को आगे बढ़ाया। माइकल ने न्यू साउथ वेल्स फेडरेशन ऑफ पैरेंट्स एंड सिटिजन्स एसोसिएशन को पत्र लिखकर एनएसडब्ल्यू शिक्षा मंत्री से इस दिन को स्कूल कैलेंडर में शामिल करने को कहा। इस सहयोग से ब्रिटेन में दया दिवस को आधिकारिक मान्यता मिली और हर साल 13नवंबर को मनाया जाने लगा। साथ ही यूनेस्को की एक संस्था, यूनेस्को- एमजीआईईपी, विश्व दयालुता दिवस को बढ़ावा देने में सक्रिय रही है, खासकर युवाओं को सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा के माध्यम से दयालुता और सहानुभूति के लिए प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करके काम कर रही है।

इस दिन, प्रतिभागी, व्यक्तिगत रूप से या संगठनों के रूप में, अच्छे कार्यों का जश्न मनाकर, उन्हें बढ़ावा देकर और दयालुता के कार्यों का संकल्प लेकर दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने का प्रयास करते हैं। दुर्भाग्य से, हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जो तनाव, मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति कलंक, हिंसा और ढेर सारे दुखों से ग्रस्त है। विश्व दयालुता दिवस वर्ष में एक ऐसा दिन है जब व्यक्ति दयालुता का अभ्यास करने और दूसरों के लिए अच्छे कार्यों का प्रसार करने के लिए अपनी क्षमता से आगे बढ़ सकते हैं। अपने शब्दों और व्यवहार के माध्यम से जानबूझकर दयालुता का अभ्यास करना आपकी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन सकता है। हमें अपने आचरण से अपनी अगली पीढ़ी को दयालु बनने की शिक्षा देनी चाहिए।

शोध से पता चला है कि दयालुता मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक, दोनों स्तरों पर खुशी और संतुष्टि से गहराई से जुड़ी हुई है। दयालुता कृतज्ञता, करुणा, सहानुभूति और आपसी जुड़ाव को बढ़ावा देती है। दूसरों के प्रति दयालु होने से, दूसरों को भी दयालुता का बदला चुकाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। दयालुता का अभ्यास करने से दोस्ती और रिश्ते भी मजबूत होते हैं, और आपके अपने सौभाग्य के प्रति जागरूकता बढ़ सकती है। शोधकर्ता बारबरा फ्रेडरिकसन के अनुसार, दयालुता तनाव को कम करने, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और क्रोध, चिंता व अवसाद जैसी नकारात्मक भावनाओं को कम करने में भी मदद करती है।

दयालुता का मतलब यह नहीं है कि आपको पैसे खर्च करने पड़ें या मदद के लिए अपनी सीमा से बाहर जाना पड़े। दयालुता उन छोटे-छोटे कामों से भी हो सकती है जिनसे आप बिना समय निकाले दूसरों का बोझ हल्का कर सकें। ट्रैफिक में किसी को अपने आगे आने की अनुमति देना। बस, ट्रेन आदि पर बुजुर्गों, महिलाओ, बच्चों के लिए जगह छोड़ना, पड़ोसी से बात करने के लिए समय निकालना। अजनबियों और पड़ोसियों दोनों को नमस्ते कहना ह्लकृपयाह्न और ह्लधन्यवादह्न कहना। आसपास कूड़ा न फैलाना। किसी के लिए दरवाजा खुला रखना। किसी मित्र या अजनबी की अच्छी आदतों की प्रशंसा करना। अनावश्यक कपड़े और घरेलू सामान मुस्कुराते हुए दान करना। अपनी किराने का सामान खुद पैक करना। अपने समुदाय में किसी पशु आश्रय, नर्सिंग होम या इसी तरह के संगठन में स्वयंसेवा करें। किसी स्थानीय चैरिटी को दान देकर खुद एवं और लोगों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, इस खास दिन हम संकल्प लें कि इस दुनिया को हम और भी सुन्दर, दयावान एवं करुणामयी बनाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

सहजीवन की अवधारणा के विपरीत अव्यवहारिक है अदालत का फैसला

मनोज कुमार अग्रवाल

सदियों सहस्त्राब्दियों से इंसान और जीव पशु मवेशी सहजीवन जीते आए हैं। मानव ने अपनी ईश्वर प्रदत्त बौद्धिक क्षमता से पशुओं जीवों को अपने नियंत्रण में लेकर उनका उपयोग किया। सामान की आवाजाही से लेकर यात्रा परिवहन तक पशुओं पर आश्रित रहे कभी इंसान अपने भोजन को जुटाने के लिए शिकार के लिए कुत्तों का इस्तेमाल करते थे लेकिन समय के साथ साथ पशुओं के स्थान पर मशीनों का उपयोग विकसित हो गया। अब पशुओं जीवों की उपयोगिता कम हुयी तो अदालतें उनके लिए सीमाएं भी स्थापित करने लगी हैं।

हाल ही में देश में विभिन्न राज्यों में आवारा कुत्तों व अन्य मवेशियों की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, यह फैसला सार्वजनिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ चुनौतियां, नैतिक वैज्ञानिक प्रश्न, कार्यान्वयन संबंधी रस्साकशी भी जुड़ी हुई हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में आवारा कुत्तों और पशुओं से बढ़ते खतरे पर संज्ञान लेते हुए कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने यह स्पष्ट किया कि शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और खेल परिसरों जैसे सार्वजनिक स्थलों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लगाना अनिवार्य है। साथ ही, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राज्यों को आदेश दिया गया है कि राजमार्गों और एक्सप्रेसवे से आवारा मवेशियों और पशुओं को हटाया जाए। यह फैसला, एक ओर जहां नागरिक सुरक्षा और जनस्वास्थ्य की दृष्टि से स्वागत योग्य है, वहीं दूसरी ओर इसने पशुप्रेमियों और पशु-अधिकार संगठनों के बीच चिंता और असंतोष भी पैदा किया है। हालांकि देखा जाए तो आवारा कुत्तों-पशुओं से होने वाले हादसे, विशेष रूप से बच्चों पर हमले व रेबीज के बढ़ते मामलों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, शहरी प्रबंधन और पशु कल्याण की चुनौतियों को एक नए सिरे से उजागर किया है। इस पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुक्रवार को जारी सख्त निर्देशों का महत्व अनायास ही बढ़ गया है। इस आदेश का उद्देश्य निस्संदेह सराहनीय है। सार्वजनिक सुरक्षा चिंताओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता, कब-किसने, किस स्थान पर, कितनी बार आवारा जानवरों ने मानवों पर हमला किया है, उन घटनाओं में बच्चों और बुजुर्गों का सुरक्षा-झुकाब पहले से ही अधिक रहा है। ऐसे में संवेदनशील स्थानों पर जानवरों को उपस्थिति न सिर्फ भय का कारण है, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य जोखिम जैसे रेबीज का प्रसारण का भी जरिया बन सकती है। अगर देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों में देशभर में कुतों के काटने के मामलों में भयावह वृद्धि हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में ही देशभर में लगभग 37 लाख से अधिक लोगों को कुत्तों ने काटा, जबकि रेबीज से हर वर्ष 18 से 20 हजार मौतें होती हैं। अकेले दिल्ली में पिछले वर्ष रेबीज से 54 लोगों की जान गई। ऐसे में यह स्पष्ट है कि यह केवल पशु अधिकार का नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य का गंभीर प्रश्न बन चुका है। शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों में बढ़ते हमले न केवल बच्चों और बुजुर्गों के लिए भय का कारण बने हैं, बल्कि संस्थागत कार्यप्रणाली को भी बाधित कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश कि ऐसे परिसरों को आठ सप्ताह के भीतर डॉग-फ्री जोन बनाया जाए, इसी बढ़ते संकट का जवाब है। इस आदेश के विरोध में पशु-अधिकार कार्यकताओं और संगठनों ने भी मुखर प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी सांसद और पशुप्रेमी मेनका गांधी ने इस फैसले को व्यवहारिक रूप से असंभव बताया है। उनका तर्क है कि यदि किसी शहर से 5000 कुत्तों को हटाया भी जाए, तो उन्हें रखा कहां जाएगा? देश में फिलहाल इतने आश्रय गृह नहीं हैं, और न ही उनके संचालन के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति। पेटा इंडिया ने भी इसी तर्क के आधार पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोध किया है। उनका मानना है कि यह फैसला पशुओं के साथ क्रूरता को बढ़ावा देगा और कैच एंड कन्फाइन नीति लंबे समय में समाधान नहीं है। विशेषज्ञों की भी राय माने तो शेल्टर होम्स का निर्माण, संचालन, रख-रखाव संसाधन-गहन होगा। अनुमान है कि बड़े पैमाने पर कुत्तों को शेल्टर में स्थानांतरित करना भौतिक रूप से कठिन है। पशु कल्याण के दृष्टिकोण से यह स्पष्ट नहीं है कि क्या पर्याप्त शेल्टर लॉजिस्टिक तैयार हैं और वहां जाकर कुत्तों के स्वास्थ्य, देखभाल, मानदंड ठीक से बचे रहेंगे कि नहीं इस पर चिंताएं उठ रही हैं। जिसमेंपशु-भोजन, सामुदायिक देखभाल, पड़ोसियों द्वारा खिलाने-पानी देने आदि शामिल हैं, अपनी जड़ों में गहरी हैं। यदि इसे अचानक खत्म किया गया तो प्रतिरोध, हिंसा, अनुकूल व्यवहार में गिरावट संभावित है। इसलिए इस आदेश को मानव सुरक्षा बनाम पशु कल्याण की द्वंद्वात्मक विमर्श में देखा जा सकता है। दोनों ही दृष्टिकोण अपनी-अपनी जगह से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि हम मानव जीवन, विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हैं, तो निःसंदेह यह कदम जायज ठहरता है। लेकिन अगर हम पशुओं के अधिकार हक, उनकी सामाजिक पारिस्थितिकी तथा मानवीय सहयोग-व्यवस्थाओं को भी महत्व देते हैं, तो हमें यह देखना होगा कि समाधान सख्ती के साथ-साथ संयम और दीर्घकालीन रणनीति पर आधारित हो। मगर यह बात तय है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को केवल पशुओं के खिलाफ कदम समझना भूल होगी। यह कदम मानव सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। अदालत ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जो भी कुत्ते पकड़े जाएं, उनका बंध्याकरण, टीकाकरण और देखभाल पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के अनुरूप ही किया जाए। इसका मतलब है कि अदालत ने हत्या या उन्मूलन नहीं, बल्कि प्रबंधन की दिशा में संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। परंतु इसके साथ यह भी सच है कि इस आदेश को लागू करने के लिए जिस प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी तैयारी की जरूरत है, वह फिलहाल राज्यों के पास नहीं है। आवारा कुत्तों और मवेशियों की समस्या केवल प्रशासनिक विफलता का नतीजा नहीं, बल्कि मानव विस्तार की कीमत है। इंसानी बस्तियों के फैलाव ने जंगलों, चारागाहों और प्राकृतिक आवासों को सिकोड़ दिया है। इसके चलते न केवल वन्यजीव, बल्कि पालतू पशु भी विस्थापित हुए हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

R&D: A public & private challenge

Investments in science and technology are vital for building India's capabilities to address developmental challenges and for securing its strategic future. They will determine the nation's capacity to compete in emerging technologies such as artificial intelligence and quantum computing—especially amid shifting trade policies. This calls for greater investment in cutting-edge research and a stronger culture of innovation across universities, research institutions, and industry. The key question, however, is whether India is investing enough to strengthen its science and technology ecosystem.Successive governments have repeatedly pledged to raise the gross expenditure on R&D (GERD) from the long-stagnant level of 0.7 percent to at least 2 percent of GDP. Yet, India's GERD-to-GDP ratio has barely moved up for three decades. The country remains far below the OECD average of 2.7 percent, and behind South Korea (4.9 percent), Japan (3.4 percent), and China (2.8 percent).

About 58-60 percent of India's GERD is concentrated in strategic sectors such as atomic energy, space, and defence, leaving only 40 percent for civilian agencies. The university sector—with over 1,100 universities and 48,000 colleges—receives just 7 percent of GERD despite producing more than half of all science and technology publications, while public companies contribute a mere 4 percent. How can India overcome this persistently low level of R&D funding?S&T Minister Jitendra Singh attributed India's low R&D intensity to "relatively less investment by the private sector". While partly valid, this does not absolve the government of responsibility. Experience from OECD countries, Japan, South Korea, the UK, and China shows a clear pattern: public R&D spending has consistently exceeded 1-1.5 percent of GDP over the past two decades. India, therefore, has a strong case to raise public investment to at least 1 percent of GDP. Market failure theory underscores that large-scale public investment is essential to strengthen basic research and build critical infrastructure.

The government ultimately recognised chronic underinvestment as a structural barrier to atmanirbhar S&T policies. It has launched a series of schemes, including the Anusandhan National Research Foundation, Research and Development Innovation Scheme, and Vigyan Dhara, to the tune of about Rs 4.0 lakh crore for five years. Most of these programmes are not entirely funded through public expenditure—they leverage government support as a catalyst for attracting private investment. For instance, over 70 percent of the ANRF's Rs 1.0 lakh crore budget depends on private industry participation.Since 2020, the government launched nearly a dozen national missions in critical and emerging technologies such as AI, green hydrogen, semiconductors, electric mobility, quantum, geospatial, biopharma and ocean research. Their success will hinge on the depth and scale of private sector engagement, both in terms of investment and innovation capacity, raising a key question: what if private funding does not materialise?

Private funding for GERD remains a persistent challenge. Industry contributions account for only about 0.3 percent of GDP, whereas in most advanced economies, the private sector invests 1.5-3 percent. A 2024 study by the principal scientific advisor found that, among 1,000 listed firms, only 20 could be classified as genuinely R&D-intensive, underscoring the limited scale and concentration of private research investment.

What lies beneath India-US defence pact

Renewal of the bilateral framework is a gambit shrouded in ambiguity

EVEN as the ink is still drying on the Major Defence Framework Agreement between the United States and India, the choice of the venue for signing this compact, on the sidelines of the 12th ASEAN Defence Ministers' Meeting-Plus in Kuala Lumpur (Malaysia) recently, itself speaks volumes.It very poignantly underscores the current strain in the India-US relationship. The signing was a ceremony of convenience, a ritual reaffirmation conducted on neutral ground, for neither India's Defence Minister Rajnath Singh nor US Secretary of War Pete Hegseth found it politically expedient to travel to the other country's capital.This geographical nuance is the first clue to the complex and convoluted, though profoundly pragmatic, foxtrot that this agreement represents. It is not a grand alliance forged in the fires of shared ideology, but a tactical entente negotiated in the portentous shadow of shared apprehensions.

This framework had its genesis in 2005, when the US was playing to a different rhythm in the aftermath of the deadliest attack on American soil after the Pearl Harbour incident (December 7, 1941). The attack that took place on September 11, 2001, colloquially called 9/11, shook the spectre of US unipolarity to its very roots, given that a non-state actor, al-Qaeda, had carried out an unprecedented assault on American sovereignty.

In retribution for the attack, the George W Bush administration launched an all-out assault on Afghanistan in 2001 and Iraq in 2003, christening it a war on terror. This led to a fundamental restructuring of the US force posture globally, compelling it to seek partners beyond its traditional Atlantic and Asia-Pacific treaty allies.The Congress-led UPA government in New Delhi, under the leadership of Dr Manmohan Singh, saw an opening to end India's technological isolation and the nuclear apartheid it had been subjected to since 1974, when it carried out its first nuclear test. It used defence cooperation with the US as the key to open the doors for lifting global sanctions on India's civil nuclear programme and inviting private participation to augment it.Even Russia did not substantively oppose India's overtures to the West. Though China was rising, its assertiveness was measured, its "wolf warrior" diplomacy yet unborn, and its network of military bases in the Indo-Pacific a spectre of the future.The Indo-Pacific was a novel and nascent concept, being nurtured by the likes of former Japanese Prime Minister late Shinzo Abe. The US and its allies, ranging from Japan to Australia, saw India as a probable counterweight to a resurgent but then non-belligerent China.

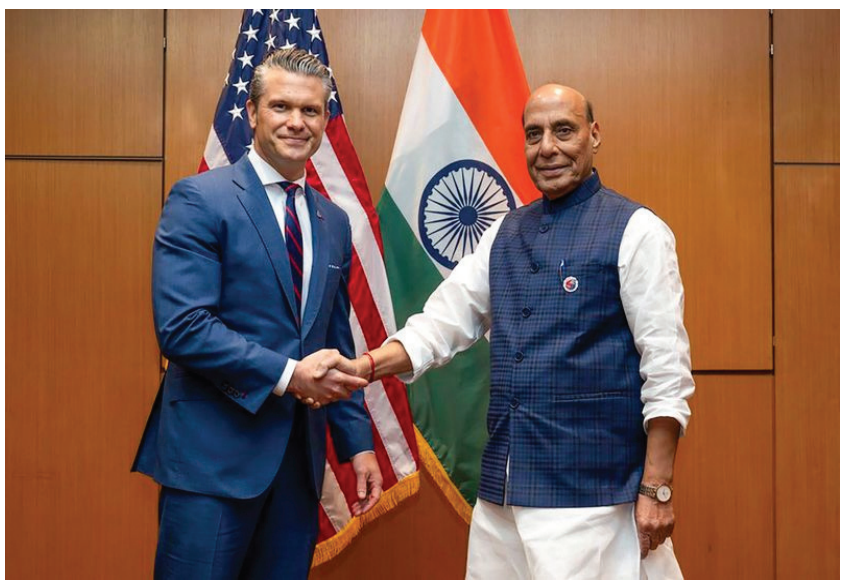

Today, the context is inverted. Beijing's global outreach and its sprawling network of military bases have made the "China threat" one of the organising principles of American defence strategy. The Quad is yet to be properly institutionalised despite its tenuous existence since 2007.Russia, now a Union State with Belarus and an antagonist of the West, has been India's primary source of discounted crude oil since 2022. These purchases have recently, perhaps temporarily, been moderated by Indian refiners under the threat of secondary sanctions. This creates a fundamental schism in the geo-economic postures of Washington and Delhi.

The US, under the second Trump administration, has metamorphosed from exceptionalism to transactionalism, buoyed by the Make America Great Again (MAGA) brigade. The US is again contemplating a G2 world order with China. It was first mooted in 2009 during Barack Obama's Democratic presidency. The G2 implicitly subverts the multipolarity that India sees as its manifest destiny.In this maelstrom, the renewal of the framework is a gambit shrouded in profound ambiguity. For India it seems to be a necessary hedge, a symbol of continuity deliberately initialled in a moment of discontinuity.

This, unfortunately, is a marriage of convenience, not a shared vision. Delhi's political silence in the face of President Trump's repeated assertions of US mediation, singularly misplaced as they are, to end India's kinetic action against Pakistan in May continues to be deafening.

India's pragmatic alignment with the Taliban on Afghan sovereignty and its continued preference for Russian energy, notwithstanding the current hiatus, are clear signals that its commitment to the US-led system is now conditional. The agreement seems to be an instrumentality for Delhi to keep the Americans engaged while trying to resolve the contentious imposition of exorbitant and unwarranted tariffs, humiliating deportations and the H-1B visa issue.

From Washington's perspective, the renewal is at best an act of strategic retention. The Trump administration, for all its disdain for traditional alliances and its cosy overtures to Islamabad, cannot afford to let the linchpin of its Indo-Pacific strategy simply unravel. A complete estrangement from India would be a geopolitical gift to Beijing and Moscow of incalculable value.

Thus, the framework serves as a placeholder, a mechanism to keep India within the gravitational pull of American influence, even as the two nations publicly disagree on Russia and privately distrust each other's ultimate intentions. It is an acknowledgment that, for all its frustrations with India's independent streak, the US has no viable alternative partner in the Indian Ocean Region capable of acting as a counterweight to Chinese expansionism.The public hyphenation of India and Pakistan by Trump may satiate some alleged business interests, but the quiet renewal of a 10-year defence pact seems to reveal a more profound and enduring calculation within the Pentagon and the wider US strategic community.To ask, therefore, if this renewal is a sign of strategy or weakness, of wisdom or folly is an avoidable binary. It is a continuum born out of shared strategic imperatives. It is a policy commitment in its recognition of a shared, overarching challenge, yet it is an act of symbolism because the substantive policy underpinnings required to give it true meaning — a convergence on Russia, a common approach on state-sponsored terrorism emanating from Pakistan and a congruence on the contours of a future global order — are glaringly absent.

For now, the renewed defence agreement stands at best as a wager that the strategic imperative of balancing, if not containing, China continues to dictate. This outweighs even the acute divergences of the present for both the US and India. Whether this wager is a stroke of genius or a grand delusion is a question that only the unforgiving tribunal of the future would provide an answer to. For the present, the continuity in defence cooperation with the US should be welcomed.

A bypoll to redefine shape of Telangana politics

If the Congress wins the Jubilee Hills byelection in Hyderabad, Revanth Reddy earns stripes. A BRS triumph would revive the pink camp's confidence

The Jubilee Hills byelection in Hyderabad has turned into a litmus test for all the political parties in Telangana—the ruling Congress, the main opposition BRS, and the ambitious BJP. The outcome of the November 11 vote will do more than deciding one urban seat—it could reset the power equations that shape the state's political landscape.

The contest pits the Congress bid to prove its staying power against the BRS's attempt at resurrection and the BJP's hunger for urban entrenchment. For the Congress, the stakes could not be higher. Chief Minister A Revanth Reddy has made it a prestige issue. A win would burnish his image and silence critics who claim his administration is wobbling under factional pulls. A loss, however, would deepen the cracks, leaving him gasping for breath amid cabinet indiscipline and a restless cadre. The Congress machinery is in overdrive—rolling out welfare testimonials, aggressive booth management, and door-to-door persuasion. A victory would give the party swagger. It would show that Hyderabad's urban, aspirational voters reward the Congress, too, and blow the myth of BRS invincibility in the capital. After all, the Congress has not made a dent in Hyderabad in a decade.

For the BRS, the bypoll is a battle for revival. Having lost ground in 2023 and then all 17 Lok Sabha seats a few months later, it is desperate for a comeback. By fielding the late MLA Maganti Gopinath's widow, it is banking on sympathy and legacy. A victory would signal that the pink flag still flies high in the city. The BJP, meanwhile, is likely to play the spoiler. It is pitching itself as the Hindu voice of the urban middle class, hoping to slice into both Congress and BRS votes. A strong showing would underline its expanding footprint and could nudge the BRS toward tactical cooperation in future contests. For the saffron party, Jubilee Hills is less about today's seat and more about tomorrow's momentum.

But urban byelections have a mind of their own. Turnout swings, candidate sympathy, and micro-level booth work often upend grand strategies. If the Congress wins, Revanth Reddy earns stripes. A BRS triumph would revive the pink camp's confidence. A strong BJP performance could rewrite the script altogether. When the dust settles, the result will echo far beyond Hyderabad's skyline—shaping alliances, ambitions, and agendas in Telangana's next big political battle.

Women hold up more than half of Bihar's earth

Around her, a Bihar colony hugs a highway to Patna, wide, new, mostly empty roads like tarmacs, waiting for traffic or planes to take off.

Sarita Devi could well be Bihar. A one-woman personification could not be more apt. She's yet to get her pucca makaan. In the matchbox-sized piece of the earth that's in her name, the floor is still cool mud. The roofing is pre-modern too, except for patches of tarpaulin and polythene. But her optimism pierces that ceiling. Her family is among the last 10 or 12 in this Dalit tola waiting for a concrete roof over their heads. She's confident it's on the way—whoever wins this Friday.

Around her is a colony that hugs a highway rushing back to Patna. The highways of Bihar today all seem scripted by Pirandello—a play in search of characters. Wide strips of shining new tar, all very 21st century, but mostly empty. Not counting the occasional big SUV, they look like tarmacs poised for takeoff. Only waiting for a plane.If a local Rip Van Winkle were to wake up in the Bihar countryside, he wouldn't be lost. Nothing much has changed in 20 years. The breeze of the highways has not swept in much, but has left behind slipstreams of ambition. There's not much to slake that thirst. Only horizontal mobility—rickety shared vans going to town, trains ribboning out filled with gig workers.

In Patna, Rip Van Winkle may have woken up with a new face—well, a facelift of sorts, patchy yet tangible. India's growth story bursts through the shabbiness of Bihar's capital city. New five-star hotels, new malls, a BMW showroom, signs of new money colliding on the streets with familiar forms of life. Cheek by jowl with fancy buildings are wet markets, tin-roofed shanties, acres of teeming humanity. All contemplating flight, but pulled down by gravity.

Sarita's hamlet, not too far from Patna, is a microcosm of that. For drinking water, there's still only a hand pump. But most of the old mud-and-brick hutments, with moss creeping out of cracks, have given way to compact, brightly painted homes. Fluorescent green, pink, blue, yellow—with a touch of pride in the form of chandramala motifs along the terraces. Sarita's own attire, a synthetic sari of orange and blue with a glinting silver border, mirrors the change. It's the kind of sari a young Dhirubhai might have once pedalled across small-town Gujarat to sell, long before he turned a textile dream into an industrial empire.Bihar, the 'B' of the degrading collective noun 'Bimaru', gives off the sense of being ready for a similar transformation. Sarita, and millions like her across the state, are not sitting by passively. Women, famously, have walked out on their old role in politics. They are no longer silent spectators, they have a voice. Nitish Kumar was among the first to hear it. He knew this was one constituency that does not migrate, that stays back to vote. By now, it's a decisive bloc of over 3.5 crore voters.

In the first phase of voting, that voice was a crescendo. The bumper 69 percent turnout was essentially a female chorus. Women outvoted men in nearly all of those 18 districts. The female turnout percentages notched unbelievable figures—77.42 in Samastipur, 77.04 in Madhepura, 76.57 in Muzaffarpur, 76 in Gopalganj. The men were 17-15-10 per cent behind.For all the change brought by new actors, the political landscape of Bihar is almost entirely masculine. From the avuncular Nitish and the bristling Tejashwi Yadav, both very homespun, to the two prodigals who have returned with the stamp of outside prosperity, Chirag Paswan and Prashant Kishor. The men are the ones kicking up all the dust, shooting off their mouths, often their guns. The women are deciding between them. Today, they are putting in their casting vote. By evening, after Seemanchal votes, Bihar may well have moved into post-caste politics. Not wholly or in full measure, but substantially. The female vote, as proved in Muslim voting patterns after the triple talaq ban, can be community-agnostic. It can emancipate itself from natal loyalties.

Another bloc has that impulse. Young voters between 18 and 29, at about two crore, form a major axis of this election. Bihar's Gen Z has no lived memory of Lalu's 'jungle raj', of the agitations, the flashpoints of the 1970s, '80s and '90s. They have grown up instead with the smartphone, the coaching centre, the dream of a government job. For them, caste identity matters, but not as much as opportunity. They are impatient with old formulas. Their gaze is outward, towards Bengaluru, Delhi, Dubai, anywhere that offers a chance.Between the competing suitors, the safe and conservative reading is that Nitish has the first claim on the women's vote. Past loyalties have durability, but slogans are not entirely teflon-coated against the everyday data of lived experience. Leave aside jobs. Even prohibition has turned out to be a bit of an Achilles' heel. Sarita and her sisterhood chorus that illegal liquor stretches their household budgets even more!The folly may be in treating voters as separate blocs, moved by different imperatives. In reality, most needs overlap. Only physical distance separates the women from their migrant husbands, toiling away at skyscrapers in the big city. They are joined by fate. Sarita cannot be unmoved by the bleak future of her son either. The youth are idling at home, waiting for jobs that rarely come, government or private.

Education is an expensive and uncertain investment. "Our sons study, but where will they go?" they ask.There are many who promise to break the stasis. Tejashwi's basic promise is around jobs. Dole for dole, he has promised `30,000 in one shot to women to outmatch Nitish's 'Dus hazaari' scheme. In his attempt to move beyond caste, he has also given tickets to 23 women. There's also the personable Rahul Gandhi behind him—even if pollsters don't count it, that factor did help Akhilesh Yadav break the 'MY' trap in 2024.

When income rises but wealth doesn't: Inside India's lifestyle inflation problem

New Delhi.(Agency)

Life is indeed a tapestry of paradoxes; that we witness it in almost all areas of life. The current lives of the Gen Z and millennials are no exception to this fact. While India happens to be the brightest spot in the growth landscape of the world economy, prosperity in terms of wealth seems to elude its youth even when their lifestyle is nothing short of that of the wealthy. True to the demographic dividend – the Gen Z and the millennials, numbering about 600 million, are spending nearly half of the country's consumer spending. So, and obviously, they are at the forefront of India's consumption boom, yet their financial behaviours reveal deeper tensions between the immediate gratification and foresight of their security. This, in modern parlance, is called "lifestyle creep."The roots of this creep intertwine cyclical and structural factors. Like in the entire world – post-COVID spending surge unleashed pent-up demand or something like that. As spending alluded more with revenge, spending has been a major cyclical factor.

While neoliberal consumerism that has been setting in the Indian economy since the early 2000s, has been a dominant structural factor. More to this is the debt-fuelled consumerism that has been the typical characteristic of youth spending in India. Add to these the semi-structural and or semi-cyclical factors such as "FOMO" [fear of missing out] and YOLO [you only live once] are prompting present-oriented indulgence. Finally, the recent GST revisions have only been supercharging the spending behaviour of millennials and Gen Z.

POST COVID SPENDING BOOM

The COVID-19 pandemic profoundly disrupted the Indian economy, with lockdowns enforcing frugality and thereby boosting Indian household savings to a record 22.8% in the financial year 2021. As restrictions eased, this catapulted into a spending boom that was often dubbed as 'revenge consumption', leading to the private consumption growing at 7.8% above pre-pandemic levels by late 2022. Urban youth fuelled

categories of consumption related to e-commerce and premium goods. The social isolation and the anxiety among them triggered deferred desires to travel, gadgets and other experiences.For instance, Gen Z and the millennials embraced YOLO spending on international concerts, some outside this country as well. Most of this spending was often financed through easy monthly instalments. A 2024 study notes that above 60% of this population prioritised experiences over material possessions, with solo trips surging to 84% in 2024. All of this alone culminated in a 10% of the total spending in the economy for the year 2024. This post-COVID dynamic transitioned from temporary relief to a habitual creep, where income hikes find lifestyle upgrades rather than assets or investment in social security for a rainy day.

NEOLIBERAL CONSUMERISM

The globalisation, liberalisation, and privatisation of the post 1991 – propelled GDP growth but fostered dynamics that entrench lifestyle creep at a seed level. New financialisation and the rise of wage suppression have pushed young people to rely on credit for aspirational living. In 2025, with the top 10% controlling close to 58% of income, neoliberalism manifests as stagnant real wages for youth in gig economies, where informal jobs dominate. Youths aspiring to global standards of living are falling into ostentatious consumption traps, splurging on gadgets and travel and living – such that these cohorts' discretionary spending is touted to double by 2030.

BSE generating robust profits: Check target price set by Nuvama

Kolkata.(Agency)

BSE is not only the oldest stock exchange of Asia and one of the largest according to market cap in the world, it is also the only listed exchange and will remain so till NSE is in a position to float its IPO. Data show that the BSE stock has appreciated by about 55%. The rise is stupendous, especially when judged against Nifty 50 that appreciated 9%. No wonder brokerages are bullish on BSE.

BSE has reported robust Q2FY26 results on Nov 11, following which the stock was trading at Rs 2,790.40 up 5.55% a little after midday on Nov 12. On Nov 11, it jumped 7% high and went up to Rs 2,818. Prominent brokerage Nuwama has assigned an aggressive target price on BSE shares. In the past one year, the BSE stock jumped about 80%. The 52-week high of Rs 3,030 was recorded on June 10. The 52-week low of Rs 1,227.33 was recorded on March 11 this year.

Target price of BSE, valuation

Nuvama has upped the earnings estimates between FY26 and FY28 by 10% to 14%. It also revised its earlier target price of Rs 2,820 to Rs 3,130. It has valued the stock at 45x P/E along with a 15% stake in CDSL. Nuvama also mentioned that weak other income kept APAT (adjusted profit after tax) at Rs 5.4 billion and that despite swap expiries in September 2025, BSE lost only 221 basis points of market share on a monthly basis. The brokerage also noted that average daily premium turnover value jumped by 30.2% on a monthly basis in October this year. Nuvama thinks the average daily premium turnover value will continue to rise between FY26 and FY28.

Sensex up over 600 points; midday markets remain in constructive phase

CHENNAI.(Agency)

Indian equities extended their early gains on Wednesday, supported by strong global cues, optimism over a potential US–India trade deal, and upbeat corporate earnings. At 12:30 PM, both benchmark indices were trading firmly in positive territory, led by gains in IT, auto, and mid-cap stocks.

The BSE Sensex was up over 600 points, or nearly 0.8 percent while the Nifty 50 hovered around 25,890, rising about 0.75 percent. Broader market indices outperformed, with the Nifty Midcap 150 hitting a new intra-day high, underscoring robust participation beyond large-cap counters.

Among sectors, IT, auto, and metal stocks led the advance, while banking and FMCG shares saw mixed trends. Exchange operator BSE Ltd surged more than 6 percent after reporting a 61 percent year-on-year rise in Q2 net profit to Rs 558 crore, boosting sentiment within the financial services space.

Global and Macro Cues

Investor confidence improved on renewed hopes of progress in U.S.–India trade discussions and easing fears over a U.S. government shutdown. Expectations of a possible Federal Reserve rate cut in December also lent support to global risk assets. Crude oil prices were steady to slightly lower, reducing inflationary concerns, while the rupee traded flat against the U.S. dollar, reflecting balanced import and foreign inflow pressures.

The following factors were key in driving the market and the strong trends:Broad-based rally: Gains across sectors and strong mid-cap momentum indicate a healthier market structure, not limited to a few index heavyweights.Earnings optimism: Recent quarterly results from key companies continue to bolster investor confidence in the domestic growth story.Global tailwinds: Improving global sentiment and stable commodity prices are driving foreign and institutional buying interest.Despite the positive tone, analysts caution that valuations are becoming stretched, especially in select mid-cap names that have rallied sharply. The market's dependence on global cues also leaves it vulnerable to sudden reversals if trade or policy expectations change. Sustained foreign investor inflows will be critical to maintaining the current uptrend.Market direction in the second half is likely to hinge on institutional flows, movement in US futures, and domestic inflation data expected later this week. Traders are watching whether the rally broadens further or starts to consolidate near recent highs.

TRAI seeks views on interconnection framework for satellite-based telecom networks

New Delhi.(Agency)

As satellite broadband services are set to be launched in India, the Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) has invited stakeholder feedback on what the interconnection framework for satellite-based telecommunications networks with other telecom networks should look like.

The regulatory body has released a consultation paper seeking views on the regulation of interconnection matters. Interconnection refers to the arrangement between two or more telecom networks that enables users of one network to communicate with users of another.In the paper, TRAI notd that the need for a dedicated interconnection framework for satellite-based telecom services arises amid the growing importance of satellite technologies in extending telecom coverage to remote and underserved regions. India's telecom sector is witnessing new entrants in the satellite broadband segment, such as OneWeb, Starlink, and Bharti-backed ventures.

Satellite-based networks provide vital connectivity in areas where terrestrial infrastructure such as Public Land Mobile Networks (PLMN) and Public Switched Telephone Networks (PSTN) may not be feasible or cost-effective. TRAI said the integration of satellite services within the broader telecom ecosystem — including seamless interconnection with existing PLMN and PSTN networks and interoperability of voice and SMS traffic across mobile and landline networks — would be an important aspect of the review.

India's direct tax collection up 7%, but refunds down 17.7%. What does it mean

New Delhi.(Agency)

India's direct tax collection has gone up by 7%, crossing Rs 12.9 trillion so far in the 2025–26 financial year, shows data released by the Income Tax Department on November 11, 2025. The numbers are for taxes collected up to November 10, 2025.

COLLECTIONS RISE, GROWTH STEADY

Net direct tax stood at over Rs 12.92 trillion, up from Rs 12.07 trillion in the same period last year. Direct tax includes money paid straight to the government, such as income tax, property tax, and tax on assets owned by individuals.Gross tax collection — the amount before refunds — also rose slightly by 2.15%. It touched Rs 15.35 trillion, compared to Rs 15.02 trillion last year.WHAT ABOUT REFUNDS?

While tax collection increased, refunds dipped sharply. The government has returned Rs 2.42 trillion to taxpayers so far — 17.72% lower than Rs 2.94 trillion refunded last year.This fall may suggest two things: fewer people are claiming refunds, or a portion of taxpayers who earlier paid in cash may not be in the system any more. Some also believe the government might be processing refunds more cautiously this year.A POSITIVE SIGNAL FOR INCOMES

The data shows that personal income tax, especially from non-corporate taxpayers, is holding strong even though tax rates were cut last year.

This points to healthier earnings among salaried people and small business owners.

MARKET-LINKED TAX STAYS FLAT

Securities Transaction Tax (STT), which is collected on share market trades, remained almost the same as last year — Rs 35,682 crore compared to Rs 35,923 crore.This suggests the stock market has largely been moving sideways, though the ongoing IPO wave could boost numbers in the months ahead.

Groww shares list 12% higher on debut: Hold or book profit now

New Delhi. (Agency)

Shares of Groww, the digital investment platform, made a strong market debut on Wednesday, listing at Rs 112, around 12% higher than its issue price of Rs 100. The listing reflects robust investor interest in India's fast-expanding fintech and online investing ecosystem.Analysts say the debut was broadly in line with expectations, with Groww's strong brand, user base, and technology-driven model supporting its premium valuation.According to Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart, Groww's listing highlights solid investor confidence built on its rapid user growth and strong recall among young investors."Groww made a good debut on the stock market, listing at approximately Rs 112, about 12% above its issue price, reflecting healthy investor confidence driven by strong brand recall and rapid user growth," Nyati said.She noted that Groww's key strengths include a mobile-first platform, low customer acquisition cost, high conversion from mutual fund to equity users, and steadily growing assets under management (AUM).However, Nyati also flagged valuation and margin risks as potential headwinds.

"Despite strong growth, concerns around high valuation multiples, margin pressures, and regulatory risks in the fintech and brokerage space are weighing on cautious investors," she said.Nyati advised investors to book partial profits but hold the remaining position for the medium to long term with a stop-loss at Rs 80.

Prashanth Tapse, Senior VP (Research) at Mehta Equities, said Groww's debut valuation appears justified considering its market leadership and scalable business model."Groww's listing was slightly above our expectations, and the implied valuation looks fair given rapid customer growth, strong brand recall, rising market share in F&O and mutual fund distribution, and a scalable digital business model with low incremental cost," he said.Tapse believes Groww remains a long-term structural story that mirrors India's growing participation in capital markets.

"We recommend allotted investors to hold for the long term, given the company's structural strengths and growth potential, while acknowledging short-term risks. Our medium-term target is Rs 125–130," he said.For non-allotted investors, Tapse suggests monitoring the stock and accumulating on dips, as Groww offers a reasonable entry point in a high-growth sector.The IPO, priced between Rs 95–100 per share, saw strong institutional demand. Qualified Institutional Buyers (QIBs) subscribed 22 times, while Non-Institutional Investors (NIIs).

'Nano GCCs' will bring next wave of capability centres in India

CHENNAI.(Agency)

The next decade of growth in global capability centres (GCCs) will be defined by "Nano GCCs" – small, agile, compliance-intensive hubs that specialise in niche domains and employing between 50 and 150 highly-skilled professionals and prioritising innovation over scale, says latest report.According to the report -- GCCs in India: Cultivating Capability, Ensuring Compliance by Teamlease Digital and Teamlease RegTech, five domains are driving the rise of Nano GCCs in India, which include semiconductors and chip design, AL and ML. biotech and pharma R&D, telecom and 5G services, and EV systems & automotive. It also mentions that the adoption of modern technologies such AL/ML (95%), cloud computing (87%), cybersecurity (92%), and blockchain (61%) has seen a projected growth in 2025 compared 2019.Moreover, 55 percent of global GCCs are located in India and expected to employ over 2.8 million by 2030. GCCs generated $64.6 billion in export revenue in FY24, up 40 percent from $46 billion in FY23. Their contribution to India's GDP is expected to double from less than 1 percent in FY24 to 2 percent by 2030.With India aiming for a USD10 trillion GDP by 2030, GCC-led services exports play a vital role in driving growth and providing a stable source of foreign exchange. The GCC growth in India would be 11 percent to 12 percent CAGR in the next five years, expanding from 1,800 GCCs in 2025 to 2400 in 2030.The report also mentioned that by 2030, more than 70 percent of GCCs globally are expected to integrate AI governance and compliance automation into their global operations. It is also pointed out that nearly 20 to 22 percent of recruitments are freshers for the role of engineers, analysts, and support roles. At mid-level, the hiring is 75 to 77 percent for the role of specialists, product developers, and project managers.

The salary ranges Rs 8-12 lakh per annum to for freshers, and for mid-level it is between Rs 13 and 40 LPA. For leadership roles, the salary bracket goes up to Rs 60 LPA.The surge in AI, cybersecurity, and cloud adoption has triggered an intense battle for niche expertise and regulatory complexities are increasing, says the report. In the first half of 2024, 1.52 lakh professionals were hired, a 14% rise over the previous half-year. Out of these, 75 percent were replacements, highlighting persistent attrition pressures. It also says 9 in 10 GCC leaders anticipate talent demand will outstrip supply by 2030.Neeti Sharma, Teamlease Digital CEO, says, "We don't have all talent in Tier 2 cities, because working professionals, lateral hires, are already in Tier 1 cities. So we have to migrate them from Tier 1 to Tier 2 cities.

The great IPO gamble: Why so many retail investors end up losing money

This is Part 1 of a three-part series examining how India's IPO boom is entering risky territory for retail investors amid sky-high valuations and growing market hype.

New Delhi.(Agency)

Every time a big-name company announces an initial public offering (IPO), excitement ripples through the market. Retail investors rush to apply, convinced they're getting in on the next big success story. But as recent listings have shown, not every IPO turns out to be a jackpot. Some deliver strong returns, while others leave investors disappointed and wondering where they went wrong.The truth, according to market experts, is that IPO investing has increasingly turned into a risky game, especially for small investors.

While institutions and large funds have the deep pockets and patience to absorb losses, retail participants often end up bearing the brunt of overpricing and unrealistic expectations."IPOs fundamentally are not designed with retail investors as the primary beneficiaries. While the Indian market remains dynamic and vibrant, a discernible pattern of aggressive pricing—particularly evident in technology and startup IPOs—has emerged, often to the detriment of smaller investors," Tarun Singh, Founder and MD, Highbrow Securities, told IndiaToday.in.

WHY ARE IPOs GETTING RISKIER?

He pointed out that the main problem lies in how companies and their bankers approach valuation. "An IPO is merely the commencement of a company's journey in the capital markets," he explained. "Unfortunately, due to aggressive pricing, many companies struggle to recover from the inevitable post-listing corrections. Paytm exemplifies this phenomenon."According to him, many promoters and bankers get caught up in market buoyancy. They believe that when the market is upbeat, it's the right time to squeeze out the highest possible valuation, even if it's not sustainable.

"The strategy of pursuing peak valuation at the time of IPO is fundamentally flawed," he elaborated. "While the monetary gains sought through the IPO are certainly important, an unsound valuation can lead to a precipitous decline thereafter."

'IPOs ARE FOR DEEP POCKETS'

He also warned that retail investors often underestimate the difference between themselves and institutional buyers. Large investors can afford to take losses or hold a position for years before seeing returns. "Ultimately, it is those with substantial financial resources who prevail in this race," he remarked.

"Retail investors, investing their life savings with hopes of quick gains, bear the harshest impact of overvaluation."Recent IPOs such as Lenskart have shown how chasing hype can backfire. Despite strong demand, Lenskart listed at a discount. Over the years, several hyped companies have failed to live up to expectations, both at listing and in the long run.

While many newly listed companies have also delivered solid gains, the broader IPO landscape has changed significantly over the last couple of years and remains unpredictable in 2025.Singh, therefore, noted that a big brand name or an impressive subscription number doesn't always mean an IPO is worth investing in. It only shows demand, not value. He added that the Securities and Exchange Board of India (Sebi) had even considered reducing the retail investor quota in IPOs because of these risks.

"The retail allocation in India, currently at about 35%, is high by global standards and likely needs to be scaled back," he observed. "IPOs, regrettably, tend to favour those with deep financial reserves."

Red Fort blast trail leads to Al-Falah University, which employed doctors of doom

- Delhi blast: Since links emerged between the Red Fort blast primary suspect, Dr Umar Nabi, and Al-Falah University, the institution in Faridabad, as well as its recruitment policies, have come under scrutiny.

New Delhi.(Agency)

A dusty, narrow road with vast expanses of agricultural land on both sides leads to Haryana's Al-Falah University, spread over 70 acres of lush greenery around the foothills of Aravali. It is inside this university, located just 30 km from the capital, that a "white-collar" terror network — was plotting a major carnage. While meticulous police work likely saved Delhi from a major massacre, one of the doctors managed to detonate a car near the Red Fort, killing 10 people.Since links emerged between the Red Fort blast primary suspect, Dr Umar Nabi, and Al-Falah University, the institution in Faridabad's Dhauj village has been under the constant gaze of TV cameras. An unusual silence hangs over the campus as police teams and investigators make visits to the university to conduct inquiries. So far, over 50 employees and doctors have been questioned.

Apart from Dr Umar, two of his associates, Dr Muzammil Shakeel and Dr Shaheen Shahid, believed to be part of a terror module involving the Jaish-e-Mohammed (JeM) and Ansar Ghazwat-ul-Hind, were also employed at the university. In fact, it is believed that the arrest of Dr Shakeel, from whose premises 2,900 kilograms of IED-making material was recovered, prompted a panicked Dr Umar to carry out the blast in haste.

The role of Dr Shaheen has drawn scrutiny. Sources said she was tasked with setting up the women's wing of JaisheMohammed in India. Moreover, rifles and ammunition were also recovered from her car. Altogether, around six people from the university have been detained.

AL-FALAH UNIVERSITY UNDER LENS

Now, the university, which started as an engineering college in 1997, has emerged as a key focus of the investigation.

In 2013, the Al-Falah Engineering College received 'A' category accreditation from the National Assessment and Accreditation

Council (NAAC), an autonomous body under the Union Education Ministry. However, a report said the accreditation had expired years ago.

A year later, the Haryana government granted it university status under the Haryana Private Universities Act. It received UGC recognition a year later in 2015.The Al-Falah Medical College is also affiliated with the university, which is operated by Al-Falah Charitable Trust, registered in Delhi's Okhla.Professor Jawad Ahmad Siddiqui is the chairman of the trust and also the chancellor of the university since 2014. He is also the managing director of Al-Falah Investments Limited since 1996.A report in The Milli Gazette in 2000 claimed that Siddiqui was arrested on charges of collecting billions of rupees by fraudulent means in Delhi. Nothing much is known about him.

The current vice chancellor is Dr Bhupinder Kaur Anand, who is also the principal of the medical college.

Even though the institution is run by a charitable trust, a report in TOI said donations also come from Arab countries.The Al-Falah University was set up with an aim to provide educational opportunities to students from minority and underprivileged backgrounds. In fact, initially, the university positioned itself as an alternative to the famous Aligarh Muslim University (AMU) and Jamia Millia Islamia.

All About IPS Vijay Sakhare, Anti-Terror Officer Leading Delhi Blast Probe

New Delhi.(Agency)

Vijay Sakhare, the Director General of National Investigation Agency (NIA), will be leading a special 10-member team to probe the blast near Delhi's Red Fort Metro Station in which nine people died. The team comprises of Inspector General of Police (IG), two Deputy General of Police (DIG), three Superintendent of Police (SP), and the remaining are DSP-level officers.The agency will take possession of all case diaries of the Jaish module from the Jammu and Kashmir Police, Delhi Police, and Haryana Police to uncover its operational capabilities and financial support. More than 1,000 CCTV footages are being scanned by investigative agencies. They are also monitoring social media activity and collecting mobile phone data from several locations across Delhi.

Who is Vijay Sakhare?

Vijay Sakhare is a 1996 batch Kerala cadre officer. He has previously served as the Inspector General in the NIA.Sakhare was appointed as the NIA DG in September this year.He held a meeting with the Intelligence Bureau (IB) chief today, sources said.

The Delhi blast case was handed over to the NIA on Tuesday after Union Home Minister Amit Shah took stock of the investigation. The incident occurred on Monday at 6:52 pm - on a day when massive 2,900 kg of explosives, including ammonium nitrate, were found in Haryana's Faridabad. Sources said that the suspected suicide bomber, identified as Umar Mohammad, may have panicked and triggered the blast after investigators arrested two key members of the module - Dr Muzammil Shakeel and Dr Adil Rather - and seized the explosives.

Parachute Jumps, Drones, Robots: Army's "Exercise Maru Jwala" Near Pak Border

New Delhi.(Agency)

Soldiers jumping from aircraft, tanks roaring in the desert, and drones and robots showing their prowess: the Indian Army's Southern Command on Tuesday conducted the "Exercise Maru Jwala" (roughly translated to desert flame) in Rajasthan's Jaisalmer, close to the border with Pakistan.The exercise is a part of the ongoing tri-services "Trishul" drill, showcasing the preparedness and coordination of elite units. The exercise demonstrated the synergised capabilities of the armed forces in planning and executing complex airborne operations.

Multiple videos shared on social media showed the seamless coordination between the army's mechanised forces, artillery, aviation, and infantry, reaffirming the force's capability to operate effectively in diverse terrains.

'A Crucial Phase Of Trishul Drill'

Top officials, including Lieutenant General Dhiraj Seth, General Officer Commanding-in-Chief of the Southern Command, took a review of Tuesday's exercise.

Speaking to reporters, Lieutenant General Seth said the exercise was a crucial phase of the Trishul drill."This Maru Jwala exercise was actually the final phase of the operations over the last two months. This means that for two months, the Sudarshan Chakra Corps of the Southern Command, which is a strike corps, has been training diligently here," Seth said.

"Its main unit is the Shahbaz Division, which is a rapid unit. It is also included in this exercise. In addition, the Southern Command's Aviation Brigade, EW Brigade, and Para-SF (Special Forces) Battalion. The success achieved by all of them together over the last two months, the fruits of which you all saw this morning under Maru Jwala...The pathfinders are from the 7th Para Battalion and the Airborne Battalion, and they are the final-stage strategic force...," he added.Seth also praised the dedication and preparedness of the troops, noting the integration of modern equipment into future operations.

The Nithari killings: One man's quest for justice

New Delhi.(Agency)

Meerut Jail, September 7, 2014. The noose was ready. The jallad had been summoned, the noose had been checked thrice. Surinder Koli, once a domestic helper in a quiet Noida bungalow, sat cross-legged in his cell, eyes hollow from years in solitary confinement.It was midnight. The hanging was to take place before sunrise. It had been eight years since the Nithari killings had first shocked India when bones, skulls and children's clothes and slippers were dug up behind bungalow number D-5, Sector 31, Noida, labelled as The House of Horrors.It was five years since the Ghaziabad CBI court pronounced the first of its 13 death sentences against Koli, condemned as the Nithari killer.

But as Koli prepared for his final walk, somewhere in New Delhi, a clerk fed a last-minute petition into a fax machine. The message raced through telephone lines, past sleeping judges to the residence of Justice HL Dattu,

then senior judge of the Supreme Court.Acting on lawyer Indira Jaisingh's plea, Justice Dattu, the future Chief Justice of India, convened an emergency hearing. Justice Anil Dave sat with him on the bench. Court staff were summoned from their homes in the middle of the night.

Around 2 AM, the Court stayed the execution. When it reached Meerut Jail, guards sprinted through the dim corridors. The black hood that was to cover Koli's face was discarded, the noose was loosened, and the hangman was sent home.

Eleven years later, on November 10, 2025, the Supreme Court set Koli free, overturning his conviction in a murder case–the only sentence he was serving. He had already been acquitted in all other cases.This is the story of Surinder Koli, the man portrayed as a "rapist, pedophile, and a killer who ate the flesh of the dead–a veritable satan." This is how he defied death, and walked free – his freedom restored by the highest court of justice.

DECEMBER 2006, THE MISSING CHILDREN

For nearly two years, a chilling epidemic of disappearance had swept through the poor, semi-rural settlement of Nithari in Noida.

Surinder Koli's confession to cops forced: Supreme Court on freeing Nithari convict

New Delhi.(Agency)

The Supreme Court sharply criticised the police investigation into the Nithari killings on, noting that circumstantial evidence against Surinder Koli was not supported by forensic proof and that key investigative avenues, including leads related to organ trade, were neglected. The court also said that Koli's alleged confession is unreliable, as he had remained in custody for over 60 days without access to legal aid or a medical examination.

The court, in its verdict, observed that the trial magistrate who recorded the confession indicated possible tutoring and torture in custody. The bench of Chief Justice BR Gavai, Justice Surya Kant and Justice Vikram Nath on Tuesday ordered Koli's immediate release, who has been in jail since 2006.The court highlighted multiple lapses, including delays in securing the crime scene, contradictory remand and recovery papers, absence of timely medical examinations and incomplete forensic documentation.

The court also highlighted the discrepancies in the police investigation and said that that evidence do not explain how a "semi-educated domestic help with no medical training could have carried out precise dismemberment of bodies", adding that knives, axes and human remains found outside the house had no admissible link to Koli.

The court also noted that investigators also failed to question key household and neighbourhood witnesses or pursue material leads. Forensic analysis showed no human bloodstains or remains in House D-5 consistent with the alleged crimes.

The Supreme Court agreed with the Allahabad High Court's previous acquittal, noting that conviction cannot be based on suspicion alone, especially when Koli had been acquitted in other related cases. The bench also expressed regret over the suffering of victims' families but said that criminal law requires proof beyond reasonable doubt.

Behind Delhi Terror Car's 3-Hour Wait In Parking Lot, A Big Calendar Error

New Delhi.(Agency)

Entry at 3.19 pm, exit at 6.28 pm, and then a blast. Umar Muhammad, the doctor believed to have triggered the deadly car explosion near Delhi's Red Fort, was at a parking lot nearby for over three hours. Investigation has revealed that during this time, he did not step out of his car at all and did not leave the vehicle unattended. Was he waiting for a go-ahead? Or having second thoughts?Fresh revelations in the probe have added an entirely new angle. Sources among the investigators say that Umar's original plan was to detonate the bomb, kept in the car's back seat, near the Red Fort parking, which has a significant crowd on winter days.

But in his desperation after the arrest of his associates and the massive explosives recovery, Umar missed an important detail: Red Fort is closed on Mondays. He reached the parking lot, but there was no crowd. This must have frustrated Umar, who wondered what to do next.

After a three-hour wait, he drove out onto Netaji Subhash Marg, which runs along the Red Fort on one side and Chandni Chowk on the other. The car exploded at a traffic signal near the Red Fort Metro Station, damaging several other vehicles in the congested area and setting off alarm bells across the nation. Nine people were killed and over 20 were injured in the car blast.

Faridabad To Red Fort: Chasing Terror Car

About 600 cops have tracked footage from over 1,000 CCTVs to trace the movement of the white Hyundai i20 car since it left the Al Falah University in Faridabad on Monday morning.

The car is seen crossing the toll plaza on the Haryana-Delhi border at Badarpur at 8.13 am. It then drives through Mayur Vihar and Connaught Place before reaching the parking near the Red Fort.

During this drive, he stopped on the Asaf Ali Road near Old Delhi for about half an hour. CCTV footage showed him seated in the car alone. After a short break, he resumed the drive and went to the parking lot.

Supreme Court pulls up Punjab, Haryana on farm fires as Delhi continues to choke

- During the hearing today, the Amicus Curiae raised concerns about the accuracy and transparency of air quality data being reported. He told the court that the data from the AQI monitoring stations was not being uploaded and instead, false data were being circulated.

New Delhi.(Agency)

The Supreme Court on Wednesday directed Punjab and Haryana to submit detailed data on the steps taken to curb stubble burning, as air quality in Delhi continued to deteriorate, with residents waking up to a thick blanket of smog for a second consecutive day.Counsels representing the two states have been instructed to gather and present relevant data within one week.

The Chief Justice of India-led bench the need for concrete evidence of enforcement and policy action, holding these state administrations accountable for the continued air quality decline in the region.

He told the court that the data from the AQI monitoring stations was not being uploaded and instead, false data were being circulated.As the AQI in Delhi plunged to the severe category for the first time this season, the Amicus Curiae urged the court to prioritise the matter.

In response, Chief Justice of India BR Gavai said the matter will be taken up on November 17.On Tuesday, the national capital's AQI slipped to the 'severe' category for the first time this year with a reading of 428. The deterioration in the air quality prompted authorities to impose Stage III of the Graded Response Action Plan (GRAP) in the city and the National Capital Region (NCR).

According to the Central Pollution Control Board, this is the first time since December 2024 that Delhi's air quality has entered the 'severe' range, a level that poses health risks even to healthy individuals and can cause serious respiratory issues among vulnerable groups.

On Wednesday as well, a thick blanket of smog hovered over the city, with the temperatures also dipping as winter is setting in.During a hearing on November 3, the court directed the Commission for Air Quality Management (CAQM) to file an affidavit detailing the steps it has taken so far to prevent air pollution in Delhi-NCR from peaking further.At the time, the bench had said that the authorities must act proactively and not wait for pollution levels to reach a "severe" stage.

NEWS BOX

'You don't have certain talents here': Trump makes rare defence of the H-1B visa program

WASHINGTON . (Agency)

In a shift from his earlier stance, US President Donald Trump on Tuesday defended the H-1B visa program, saying the country must attract skilled talent from around the world to fill specialized roles.

During an interview with Fox News host Laura Ingraham, Trump said that while his administration prioritized American jobs, certain sectors, particularly manufacturing and defense, require expertise that cannot easily be sourced domestically.

He said that the US workforce lacks some of the specialized skills needed for complex, high-tech roles.

When asked if America doesn't have plenty of talent, Trump responded, "No, you don't. No, you don't. No, you don't have. You don't have certain talents. People have to learn. You can't take people off an unemployment line and say, 'I'm going to put you into a factory where we're going to make missiles'," he added.The comments mark a notable softening in tone following his administration's previous crackdown on the H-1B program, widely used by technology companies to hire foreign professionals, many of whom are Indian engineers and doctors.

Trump's comments also come less than two months after his administration announced a steep hike in H-1B visa fees to USD 100,000 per application. The move drew criticism from U.S. employers and foreign workers alike, who said the measure would deter innovation and limit access to global talent.

The U.S. State Department later clarified that the new fee applies only to new H-1B petitions or lottery entries filed after September 21, and that current visa holders and petitions submitted before that date would remain unaffected. Under the updated rule, every new petition, including those for the 2026 H-1B lottery, must include the $100,000 payment.

Colombia to suspend intelligence cooperation with US over strikes on alleged drug vessels

BOGOTA.(Agency)

Colombian President Gustavo Petro ordered his nation's security forces Tuesday to stop sharing intelligence with the United States, until the Trump administration stops its strikes on suspected drug traffickers in the Caribbean, as relations deteriorate between the nations that were once close partners in the fight against drug trafficking.In a message on X, Petro wrote that Colombia's military must immediately end "communications and other agreements with U.S. security agencies" until the U.S. ceases its attacks on speedboats suspected of carrying drugs, that critics have likened to extrajudicial executions.Petro wrote that "the fight against drugs must be subordinated to the human rights of the Caribbean people." It wasn't immediately clear what kind of information Colombia will stop sharing with the United States.

At least 75 people have been killed by the U.S. military in strikes in international waters since August, according to figures supplied by the Trump administration. The strikes began in the southern Caribbean but have shifted recently to the eastern Pacific, where the U.S. has targeted boats off Mexico.Petro has called for U.S. President Donald Trump to be investigated for war crimes over the strikes, which have affected citizens of Venezuela, Ecuador, Colombia and Trinidad and Tobago. In October, the Trump administration placed financial sanctions on Petro and members of his family, over accusations of involvement in the global drug trade.

No Changes': Google Denies Removing Western Sahara Border For Morocco Users

United States .(Agency)

The dotted lines illustrating the border between Western Sahara and Morocco, indicating the former's disputed territory status, have never been visible to people using Google Maps in the latter, the company told AFP on Tuesday.After media reports last week highlighted the discrepancy, tying it to the UN Security Council endorsing the Moroccan autonomy plan for Western Sahara, the tech giant has released a statement saying the different border displays have always been the case."We have not made changes to Morocco or Western Sahara on

Google Maps," a Google spokesperson said in a statement to AFP."These labels follow our longstanding policies for disputed regions. People using Maps outside of Morocco see Western Sahara and a dotted line to represent its disputed border; people using Maps in Morocco do not see Western Sahara."Western Sahara is a vast mineral-rich former Spanish colony that is largely controlled by Morocco but has been claimed for decades by the pro-independence Polisario Front, which is supported by Algeria.The United Nations Security Council had previously urged Morocco, the Polisario Front, Algeria and Mauritania to resume talks to reach a broad agreement.But, at the initiative of US President Donald Trump's administration, the council's resolution supported a plan, initially presented by Rabat in 2007, in which Western Sahara would enjoy autonomy under Morocco's sole sovereignty.

Top diplomats from G7 countries meet in Canada as trade tensions rise with Trump

Canada's G7 hosting duties this year have been marked by strained relations with its North American neighbor, predominantly over Trump's imposition of tariffs on Canadian imports.

ONTARIO . (Agency)

Top diplomats from the Group of Seven industrialized democracies are converging on southern Ontario as tensions rise between the U.S. and traditional allies like Canada over defense spending, trade and uncertainty over President Donald Trump's ceasefire plan in Gaza and efforts to end the Russia-Ukraine war.Canadian Foreign Minister Anita Anand said in an interview with The Associated Press that "the relationship has to continue across a range of issues" despite trade pressures as she prepared to host U.S. Secretary of State Marco Rubio and their counterparts from Britain, France, Germany, Italy and Japan on Tuesday and Wednesday.

"We're tackling a range of critical issues with one main focus: putting the safety and security of Americans FIRST," Rubio said in a social media post.Anand also invited the foreign ministers of Australia, Brazil, India, Saudi Arabia, Mexico, South Korea, South Africa and Ukraine.Anand said critical priorities for discussion Tuesday night include talks on advancing long-term peace and stability in the Middle East."The peace plan must be upheld," Anand said.The diplomats will meet with Ukraine's foreign minister early Wednesday. Britain says it will send 13 million pounds ($17 million) to help patch up Ukraine's energy infrastructure as winter approaches and Russian attacks intensify. The money will go toward repairs to power, heating and water supplies and humanitarian support for Ukrainians.

U.K. Foreign Secretary Yvette Cooper, who made the announcement before the meeting, said Russian President Vladimir Putin "is trying to plunge Ukraine into darkness and the cold as winter

approaches," but the British support will help keep the lights and heating on.Canada recently made a similar announcement.

Canada's G7 hosting duties this year have been marked by strained relations with its North American neighbor, predominantly over Trump's imposition of tariffs on Canadian imports. But the entire bloc of allies is confronting major turbulence over the Republican president's demands on trade and various proposals to halt worldwide conflicts.One main point of contention has been defense spending. All G7 members except for Japan are members of NATO, and Trump has demanded that the alliance partners spend 5% of their annual gross domestic product on defense. While a number of countries have agreed, others have not. Among the G7 NATO members, Canada and Italy are furthest from that goal.Anand said Canada will reach 5% of GDP by 2035.There have also been G7 disagreements over the Israel-Hamas war in Gaza, with Britain, Canada and France announcing they would recognize a Palestinian state even without a resolution to the conflict. With the Russia-Ukraine war, most G7 members have taken a tougher line on Russia than Trump has.The two-day meeting in Niagara-on-the-Lake on Lake Ontario near the U.S. border comes after Trump ended trade talks with Canada because the Ontario provincial government ran an anti-tariff advertisement in the U.S. that upset him.That followed a spring of acrimony, since abated, over Trump's insistence that Canada should become the 51st U.S. state.

Canadian Prime Minister Mark Carney apologized for the ad and said last week that he's ready to resume trade talks when the Americans are ready.

UN chief Guterres condoles car explosion in Delhi, suicide bombing in Pakistan

UNITED NATIONS. (Agency)

UN Secretary General Antonio Guterres has condoled the loss of lives and injuries in the car explosion near Red Fort in New Delhi and stressed on a full investigation into the incident, his spokesperson said."We also, of course, send our condolences to the government and people of India for what has happened there, and that also needs to be fully investigated," the Secretary General's Deputy Spokesperson Farhan Haq said at the daily briefing on Tuesday when asked about the explosion in Delhi that killed 12 people and injured many more Haq was asked about the suicide bombing in Islamabad as well as the car explosion in New Delhi.In a more lengthy response to the suicide attack in the Pakistan capital, Haq said, "What I can say is the secretary general is deeply saddened by the reported suicide attack, and he extends his condolences to the families of the

victims and wishes a full recovery to those injured.

The secretary general condemns acts of violence and terrorism at the strongest terms. He reiterates that all perpetrators of terrorism must be held accountable, and he calls for a full investigation," he added.

A suicide bomber on Tuesday detonated his explosives near a police vehicle outside a court in Islamabad, killing at least 12 people and wounding 36 others, officials said.Hours after the suicide attack, Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif accused groups "active with Indian support" of being involved in the strike.India unequivocally rejected as baseless Sharif's allegations linking the terror attack in Islamabad to New Delhi, and said it is a predictable tactic by "delirious" leadership of that country to "concoct" false narratives.

External Affairs Ministry spokesperson Randhir Jaiswal said the international community is well aware of the reality and will not be misled by Pakistan's "desperate" ploys.

Australia, Indonesia agree to sign new security treaty

SYDNEY. (Agency)

Australia and Indonesia agreed to sign a new security treaty, which includes closer military cooperation, the two countries' leaders said after talks in Sydney on Wednesday.Canberra has drawn ever nearer to longtime ally Washington, bolstering its military in an attempt to deter the might of a rising China in the Asia-Pacific region.Jakarta has walked a more neutral path, wary of drawing too close to Washington and far less willing to needle Beijing.Prime Minister Anthony Albanese, speaking alongside President Prabowo Subianto at a Royal Australian Navy Base in Sydney, said they had "just substantively concluded negotiations on a new bilateral treaty on our common security"."This treaty is a recognition from both our nations that the best way to secure... peace and stability is by acting together," Albanese told reporters.

The Australian leader said he hoped to visit Indonesia next year to sign the new treaty.He said the agreement builds on a bilateral defence pact signed in 2024, which pledged closer cooperation in the contested Asia-Pacific region and included provisions for each military operating in the other country.

Thousands of Indonesian and Australian troops held

joint drills in eastern Java months after the 2024 accord was signed.The new agreement will commit Australia and Indonesia to "consult at a leader and ministerial level, on a regular basis on matters of security", Albanese said.It will also facilitate "mutually beneficial security activities, and if either or both countries' security is threatened, to consult and consider what measures may be taken, either individually or jointly, to deal with those threats", he said.Prabowo said the deal committed the two countries to "close cooperation in the defence and security field"."We cannot choose our neighbours... especially countries like us," he said."Good neighbours will help each other in times of difficulties," Prabowo added.Australia hopes to cement closer ties with Indonesia as the region is rattled by rivalry between China and the United States.

Indonesia and Australia, separated by less than 300 kilometres (185 miles) at their closest point, have charted different courses while navigating that geopolitical upheaval.

All 20 personnel onboard Turkish military cargo plane that crashed in Georgia died

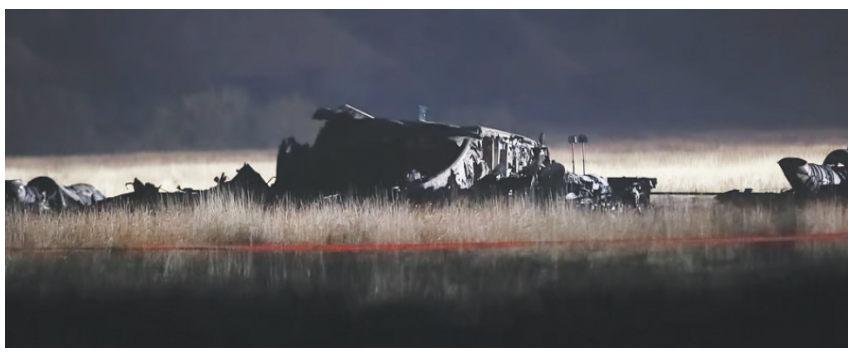

ANKARA .(Agency)

All 20 personnel on board a military cargo plane that crashed in Georgia were killed, Turkey's defense minister announced on Wednesday.The C-130 plane had taken off from Azerbaijan and was on its way back to Turkey when it crashed Tuesday in Georgia's Sighnaghi municipality, close to the Azerbaijani border."Our heroic comrades-in-arms were martyred on November 11, 2025, when our C-130 military cargo plane, which had taken off from Azerbaijan en route to our country, crashed near the Georgia-Azerbaijan border," Defense Minister Yasar Guler said in a message posted on X, together with photographs of the military personnel that were killed.The cause of the crash is being investigated.

A Turkish accident investigation team reached the crash site early on Wednesday and was inspecting the wreckage of the plane that had spread over a very large area, Turkish broadcaster Haberturk reported.On Tuesday, Turkey's state-run Anadolu Agency quoted the Georgian aviation authority as saying that contact with the plane was lost a few minutes after it had entered Georgia's airspace. The plane had not issued a distress signal, it said.C-130 military cargo planes are widely used by Turkey's armed forces for transporting personnel and handling logistical operations.Turkey and Azerbaijan maintain close military cooperation.Turkish President Recep Tayyip Erdogan and other Turkish officials had attended Azerbaijan's Victory Day celebrations in Baku on Nov. 8, marking Azerbaijan's military success over Armenia in the 2020 control of Karabakh region, known internationally as Nagorno-Karabakh, a conflict that had lasted nearly four decades.Azerbaijan's President Ilham Aliyev and Georgian Foreign Minister Maka Botchorishvili extended their condolences to their Turkish counterparts over Tuesday's crash."We are deeply shocked by the news of the loss of life of our soldiers in the accident that occurred on Georgian soil," Aliyev said in a message, according to the Anadolu Agency.

House expected to vote Wednesday on ending the US government shutdown

WASHINGTON . (Agency)

WASHINGTON: The effort to end the longest-ever US government shutdown heads Wednesday toward a final vote, as President Donald Trump declared victory in the political face-off and rival Democrats tore themselves apart over the deal.The House of Representatives appeared likely to vote Wednesday on a spending bill to solve the six-week standoff, after eight Democrats broke ranks in the Senate on Monday to side with Trump's Republicans.During a Veterans Day speech at Arlington National Cemetery, Trump broke off to praise Republican House Speaker Mike Johnson and Senate Majority Leader John Thune.

"Congratulations to you and to John and to everybody on a very big victory," Trump said as he spotted Johnson in the audience.

"We're opening up our country -- it should have never been closed," added Trump, bucking US presidential tradition by using a ceremonial event to score political points.

Trump said later he expected the Republican-controlled House to approve the bill to fund the government through January. "Only people that hate our country want to see it not open," he told ESPN.

Top Democrats have vowed to oppose the government-funding bill, in large part because it does not directly address the extension of health insurance subsidies, which are set to expire at the end of this year.But it is likely to pass the House as it only needs a simple majority, which Republicans narrowly have.

From the start, Trump had piled pressure on Democrats by letting the shutdown be as punishing as possible and refusing to negotiate on their demands on health insurance.A million federal workers went unpaid, food benefits for low-income Americans came under threat and air travelers faced thousands of cancelations and delays ahead of the Thanksgiving holiday.Transportation Secretary Sean Duffy warned Tuesday that the chaos could get worse by the weekend if the shutdown persists, with air traffic controllers unable to be paid and authorities ordering further slowdowns in flight traffic."You're going

to have airlines that make serious calculations about whether they continue to fly, full stop," Duffy told reporters at Chicago's O'Hare International Airport.

Polls have shown that voters increasingly blamed Trump's party as the shutdown dragged on past its 40th day.

But it was the Democrats who caved and gave Republicans the extra votes they needed Monday under Senate rules, without securing the key concessions they wanted."Health care of people all across this country is on the brink of becoming unaffordable," top House Democrat Hakeem Jeffries told reporters Tuesday as he vowed to maintain the fight for lower costs.

Democratic rift

The deal has split Democrats, with many senior figures saying they should have held out for the extension of health insurance subsidies at the heart of the shutdown battle."Pathetic," California Governor Gavin Newsom, widely seen as a 2028 Democratic presidential frontrunner, posted on X.

Despite opposing the bill vocally and voting against it, Democratic Senate Minority leader Chuck Schumer has faced calls from some lawmakers in his party to step down for failing to corral his senators.

For Democrats, the wavering was especially galling as it came just days after election wins that put Trump on the back foot for the first time since his White House return.

Democratic wins in New York City, New Jersey and Virginia in particular highlighted the issue of affordability, a weak spot for billionaire Trump and the Republicans ahead of the 2026 midterm elections.

NEWS BOX

IPL 2026 Retentions: Will MI consider releasing Trent Boult Matthew Hayden responds

New Delhi. (Agency)

Matthew Hayden feels that Mumbai Indians may release Trent Boult from their squad during the IPL 2026 retentions. Boult played a crucial role in MI's run to the playoffs of the IPL 2025 season as he formed a potent combination with Jasprit Bumrah while using the new ball.This was Boult's second stint with MI, and he picked up 22 wickets in 16 matches, with an average of 23.5 and an economy rate of 8.97. Speaking to Star Sports, Hayden felt that MI will have to make some tough calls during retentions as they have some areas to sort out. Boult was bought for 12.5 crore rupees and Hayden feels that he maybe released so that they can buy him for a cheaper price."Mumbai Indians have a very balanced playing eleven, but they face some tough decisions. Trent Boult has been exceptional, taking 22 wickets last season and making a strong impact in the

powerplay. However, with his 12.5 crore price tag, the management might consider releasing him to potentially buy him back at a lower price. This move could free up funds to strengthen other areas of their squad while maintaining their core balance," said Hayden.

'GT NEEDS NEW MIDDLE ORDER'

Hayden commented on the Gujarat Titans and their weaknesses ahead of the retentions. An issue with the batting for GT was that while the top three fired, the middle-order failed to make a mark. Sai Sudharsan, Shubman Gill and Jos Buttler scored a total of 1947 runs combined during IPL 2025, but the rest of the batters struggled to make an impact.

Jadeja-Samson trade stalls as RR hit overseas quota, fund crunch: Report

The high-profile Ravindra Jadeja–Sanju Samson trade has reportedly stalled, with Rajasthan Royals facing overseas quota and budget constraints. The deal, which could also involve Sam Curran, may only proceed after the IPL retention deadline on November 15.

New Delhi. (Agency)

The much-anticipated Ravindra Jadeja–Sanju Samson trade between Chennai Super Kings (CSK) and Rajasthan Royals (RR) has hit a snag, with the deal yet to be formally submitted to the Board of Control for Cricket in India (BCCI) for approval. According to a Cricbuzz report, procedural and financial complications have delayed the move, despite both franchises having already expressed interest.The main reason for the holdup is reportedly the involvement of Sam Curran, the England all-rounder, as part of the trade discussions. The Royals' overseas quota is already full, which prevents them from adding Curran unless they release one of their current foreign players.As things stand, Rajasthan's squad includes eight overseas cricketers — Jofra Archer, Shimron Hetmyer, Wanindu Hasaranga, Maheesh Theekshana, Fazalhaq Farooqi, Kwena Maphaka, Nandre Burger, and Lhuan-dre Pretorius — along with 14 Indian players. This gives them space for three more signings within the 25-player limit, but they also need to remain within their budget cap.Financially, the franchise is stretched thin. RR have only Rs 30 lakh left in their purse, whereas Curran's value stands at Rs 2.4 crore.

To complete the deal, the team would have to release at least one overseas player with a higher price tag.According to the report, the Royals are likely to offload their Sri Lankan duo, Wanindu Hasaranga (Rs 5.25 crore) and Maheesh Theekshana (Rs 4.40 crore), which would free up both funds and an overseas slot. However, such moves are expected to be finalised only after the November 15 retention deadline, when IPL teams officially declare their list of retained and released players.A source cited by Cricbuzz said the deal is still alive but acknowledged that there remains a small risk of it falling through. "Possible but unlikely," the source said. "It's hard to imagine either franchise backing out now, given how far discussions have progressed."With the retention deadline approaching, the onus is now on Rajasthan Royals to make the required adjustments if they are serious about bringing Jadeja on board. Once their overseas and financial hurdles are cleared, the long-awaited Jadeja-Samson trade could finally move forward.

Matheus Cunha considers Manchester United resurgence as Brazil call-ups reason

New Delhi. (Agency)

Matheus Cunha is crediting Manchester United's recent resurgence for his constant call-ups to the Brazilian national team ahead of next year's World Cup. Cunha has been a regular in Ruben Amorim's side since making the move in the summer and has played a role in United's recent good form.This has seen the 26-year-old make it to the Brazilian national team four times since Carlo Ancelotti took charge. Speaking to the reporters, as quoted by Reuters, Cunha said that showing his worth at club level has helped him get a spot in Brazil. The forward also said the direction under Ancelotti is clear and players know about their roles.Manchester United is a club that should always be at the top," he said. "I'm grateful to be playing in a side that's delivering and competing well. To earn a spot in the national team, you have to consistently show your worth at club

level."“This new cycle feels different, even with many players rotating in and out. The direction is clear, and everyone understands what we aim to achieve."Cunha also feels that his versatility has been a major factor in his Brazil selection with him being able to play as a forward and in the attacking midfield role."Knowing that the manager trusts me to play in multiple positions is important," said Cunha."It gives me the responsibility to be decisive and to always work hard no matter where he places me. You need to deliver and prove that you're ready."

CUNHA ON QATAR SNUB

Cunha wasn't selected for the squad that went to Qatar for the World Cup in 2022, with a video going viral showing him breaking down in tears seeing the news. The forward said that experience taught him on how he needs to deal with setbacks and said the snub is working as his drive at the moment."Every moment in life is an opportunity to grow," Cunha said. "Not being selected for Qatar was painful, but it taught me to deal with setbacks differently. I've matured. The frustration then has driven me to where I am now."Brazil will play Senegal and Tunisia on November 15 and 19 in a set of international friendlies.

Asian Games medallist Manju Bala gets five-year doping ban, several others suspended

AUCKLAND. (Agency)

Incheon Asian Games bronze medallist Manju Bala has been handed a five-year suspension by the Anti-Doping Disciplinary Panel (ADDP) of the National Anti-Doping Agency (NADA) after testing positive for prohibited substances earlier this year.The seasoned hammer thrower, who claimed a bronze medal at the 2014 Asian Games, tested positive for dehydrochloromethyl-testosterone (a steroid) and SARMS LGD-4033 (ligandrol), both classified as performance-enhancing drugs. Her positive test was first made public by NADA in September 2024, and the ADDP's formal decision was delivered on October 15. Her suspension will run from July 10, 2024, the date of her provisional suspension.The five-year ban is among the stiffer sanctions imposed

by the anti-doping body in recent times, underscoring the agency's growing intolerance toward doping violations in Indian sport. The ruling means Bala will be barred from competition, selection, or participation in any event sanctioned by the Athletics Federation of India (AFI) or other affiliated organisations during her suspension period. She will also lose eligibility for official rankings and national team consideration.The ADDP's latest decisions extend beyond athletics. Mohan Saini, another athlete, has been banned for four years starting October 14, 2025. In bodybuilding, three athletes — Gopala Krishnan, Amit Kumar, and Rajvardhan Sanjay Waskar — received six-year bans each, while Shubham Mahara was suspended for four years.In other cases, boxer Sumit was banned for two years, while canoeist Nitin Verma and basketball player Shivendra Pandey received four- and six-year suspensions, respectively.Meanwhile, the Anti-Doping Appeal Panel (ADAP) upheld the ADDP's earlier decision to ban sprinter Himani Chandel for four years, reaffirming the consistency of NADA's disciplinary actions.

Spain manager shocked by Lamine Yamal's surprise surgery and national team withdrawal

New Delhi. (Agency)

Spain head coach Luis de la Fuente expressed both surprise and frustration after discovering that Lamine Yamal had undergone a surprise on his groin without prior knowledge or involvement from the Spanish Football Federation (RFEF).

The 18-year-old Barcelona winger's procedure occurred without notification to Spain's medical staff, prompting criticism from the RFEF. The federation stated that they only received a medical report late at night (10:40 p.m.), which detailed Yamal's treatment and recommended a rest period of 7–10 days for the player.This development led the RFEF to make a swift decision as Yamal has been released from the Spain squad for the upcoming World Cup qualifiers against Georgia and Turkey. The

federation emphasised that the player's health, safety, and well-being remain the top priority in their decision-making process.The thing is, these things happen outside the federation, that's how it is, that's how it happens, you have to accept it ...," De la Fuente told Radio Nacional de Espana (RNE). "I don't think it's very normal."Of course (surprised), like everyone else, you don't know, you haven't heard anything, you don't know any details, and then they tell you, I insist, and on top of that, there's the health issue, so you're surprised."

Yamal has been dealing with a persistent groin issue, which has already caused him to miss five matches for Barcelona this season. The recurrence of this injury and the recent medical intervention have added to concerns regarding his readiness for international duty.Despite his injury setbacks, Yamal has maintained impressive form for Barcelona, tallying six goals and six assists in just 11 appearances across all competitions this season.

Can South Africa's spinners do a New Zealand to take down India in Kolkata

New Delhi. (Agency)

Just over a year ago, New Zealand pulled off what many thought was impossible — and then some. The Kiwis not only became the first team in 12 years to conquer India in their own fortress, but did so in ruthless fashion, sealing a 3-0 whitewash that sent shockwaves through world cricket.For India, who were then within arm's reach of a World Test Championship final berth at Lord's, that series marked the start of a steep decline — one that ultimately led to their early exit from the race.Now, as 2025 dawns, South Africa stands at a similar crossroads. Captain Temba Bavuma, inspired by New Zealand's fearless blueprint, has hinted that the Proteas will take a leaf out of the Kiwis' playbook.But doing so on Indian soil — where spin rules, the crowds roar, and redemption is on India's mind — is no simple mission. For the hosts, this is more than just another home series; it's a chance to right the wrongs of a painful past.

THE SPIN TRIO

For New Zealand, it was the spin trio of Mitchell Santner, Glenn Phillips, and Ajaz Patel who turned executioners, spinning a web that left India's batting order gasping for breath. South Africa, hence, will head into the Kolkata Test on November 14 with more than a glimmer of hope.In Keshav

Maharaj, Simon Harmer, and Senuran Muthusamy, the Proteas possess a trio capable of making even the most assured Indian batter twitch — or, as the saying goes, jump like a cat on a hot tin roof.

The Eden Gardens surface has historically offered plenty to the spinners, though curator Sujan Mukherjee has promised a sporting wicket this time — one with something in it for everyone. Yet, this is India, and it's almost a given that by the third day, if not sooner, the pitch will begin to grip and turn, bringing the slow bowlers firmly into the equation.

South Africa's fortunes could hinge on how effectively their spinners rise to the occasion. If the Indian batters manage to neutralise that threat, the hosts will likely take control. But India would be wise not to underestimate the South African pace unit either — one that has the firepower to make inroads even in spin-friendly conditions.

THE CONFIDENCE BOOSTER

When South Africa takes the field in India, they won't exactly be stepping into unfamiliar terrain. Their recent tour of Pakistan served as the perfect dress rehearsal for the subcontinent's testing conditions — long spells, slow turners, and relentless grind. Simon Harmer led the charge there, bagging 13 wickets, including a sensational six-for that underlined his mastery of control and drift.Senuran Muthusamy wasn't far behind, collecting 11 wickets in two matches, also with a six-wicket haul to his name. Keshav Maharaj, despite featuring in just one Test, left his mark with a seven-wicket haul that spoke volumes of his experience and craft.

Rohit Sharma informs Mumbai of Vijay Hazare availability, no clarity on Kohli: Report

Rohit Sharma has reportedly informed the Mumbai Cricket Association that he is ready to play the Vijay Hazare Trophy. However, Virat Kohli's plans remain uncertain at this point in time about being a part of the tournament.

New Delhi. (Agency)

Rohit Sharma has informed Mumbai that he is available to play in the Vijay Hazare Trophy for his state team while there is no clarity on Virat Kohli's participation for Delhi during the tournament. According to a latest report from the Indian Express, the Board of Control for Cricket in India (BCCI) has informed both Rohit and Kohli they will need to go through the domestic grind to remain in contention for ODI selection.Both men have retired from T20Is and Tests, meaning that the only domestic route for them to remain in contention will be the Vijay Hazare Trophy. It was earlier reported that the BCCI expects Kohli and Rohit to feature in at least three, if not four, VHT games between the conclusion of the South Africa series and the start of the one against New Zealand. India are scheduled to host South Africa for a three-match ODI series from November 30 to December 6. Following that, the Vijay Hazare Trophy will begin on December 24, before India take on New Zealand in another three-match ODI series from January 11 to 18.

"The board and team management have conveyed to both of them that they will have to play domestic cricket if they want to play for India. As they both have retired from two formats, they have to play domestic cricket to be match-fit," sources in the board told The Indian Express.The report also states that Rohit told the Mumbai Cricket Association that he will be ready for the VHT campaign and even offered his services for the Syed Mushtaq Ali Trophy, which will start on November 26, despite retiring from T20Is.BCCI would like to Kohli back on the domestic circuit in a bid to keep himself ready for the ODI assignments.

Rohit and Kohli were back in India colours during the ODI series against Australia. Rohit was the Player Of The Series as he scored a hundred and fifty. Kohli had two ducks but bounced back in the final game, where he scored an unbeaten 87 and put on a 168-run stand to help India win the third ODI.

Sherlyn Chopra

Reveals She's Getting Breast Implants Removed: 'To Bring Back Stamina Into My Life'

Sherlyn Chopra has never been one to follow the script. The actor-model, who's often made headlines for her bold choices and outspoken views, has now taken a deeply personal decision.

Sherlyn Chopra removes breast implants after years of pain

Sherlyn recently revealed that she is undergoing surgery to remove her breast implants after suffering from years of "chronic pain" in her back, chest, neck, and shoulders. The actor shared a video from the hospital, explaining her decision and calling it the beginning of a "brand new life."

In the clip, Sherlyn said, "Hey guys. Since the last couple of months, I have been enduring chronic back pain, chest pain, neck pain, shoulder pain, and also chronic pressure in my chest area. After a series of medical investigations and back and forth consultations with medical experts, I have realized that the cause of my chronic pain has been my heavy breast implants."She added, "To bring back agility, vitality, and stamina into my life, I have decided to have my breast implants removed once and for all. Am I nervous? A little. Excited? Immensely. I cannot wait to start a brand new life with no excess baggage. I pray that the Almighty bless me and the hands of the surgeons who are going to be performing my breast implant removal surgery today. God bless us all."

Sherlyn Chopra's fight with kidney failure and lupus

Back in 2024, she had shared that she has an autoimmune disorder called Systemic lupus erythematosus (SLE), which resulted in her kidney failure in 2021.In an interview with Bollywood Bubble, Sherlyn shared that her doctor told her to keep this health disorder under control and she needs medication for the rest of her life. Following this, she added, "I take it three times a day, morning, afternoon and evening. They also advised that I should never contemplate getting pregnant because it could be life-threatening for both the baby and the mother".

Sobhita Dhulipala

Praises Vetrimaaran And Anurag Kashyap's Bad Girl Amid Controversy: 'This One's For Us'

After winning hearts in theatres and receiving recognition on the international stage, the Tamil coming-of-age drama Bad Girl is now streaming online. Actor Sobhita Dhulipala has showered praise on Varsha Bharath's debut Tamil film Bad Girl, starring Anjali Sivaraman. Taking to Instagram, the Made in Heaven star shared that the movie moved her deeply and left her feeling "seen".Sharing the film's poster on her Instagram Story, Sobhita wrote, "Bad Girl had me smirking AND tearing up. I feel seen. Beheld. A film that ripens by the minute. Heavily recommend to everyone especially the girls. This one's for us y'all. Shout out to @varsha.bharath3 and @anjalisivaraman you guys are simply beyond. Watch it on JioHotstar."

Sobhita's Reaction Wins Over Cast And Crew

Following her post, both Varsha Bharath and Anjali Sivaraman reshared Sobhita's heartfelt review on their social media pages. Her words have brought fresh attention to the film, which has already sparked conversation for its bold themes and emotional storytelling.

The Controversy Around Bad Girl

Earlier this year, Bad Girl stirred controversy after its trailer release. Director G. Mohan accused producers Vetrimaaran and Anurag Kashyap of portraying Brahmins negatively. He wrote on X, "Portraying a brahmin girl personal life is always a bold and refreshing film for this clan. What more can be expected from Vetrimaran, Anurag Kasyap & Co… Bashing Brahmin father and mother is old and not trendy." His comments came in response to praise for the film by filmmaker Pa Ranjith.

About Bad Girl

Written and directed by Varsha Bharath, Bad Girl is a

coming-of-age drama starring Anjali Sivaraman as Ramya, alongside Shanthipriya and Hridhu Haroon. The film premiered at the International Film Festival Rotterdam in February before its theatrical release in September.

Bad Girl Screening In The International Circuit

Bad Girl had its world premiere at the 54th International Film Festival Rotterdam on February 7, 2025, where it won the prestigious NETPAC Award. The film continued its successful festival journey, earning the Audience Award in the Focus category at the 2025 Vancouver International Film Festival.

Vicky Kaushal Says Good Sex Is More Important Than Good Conversations: 'Baaten Toh...'

When Vicky Kaushal and Kriti Sanon share a couch, it's bound to be chaos — the fun kind. The two stars, who've never worked together on screen before, brought sparkling energy, humour, and a hint of mischief to the latest episode of Two Much With Kajol & Twinkle. From playful digs to cheeky confessions, the promo clip has already gone viral for all the right reasons.

Vicky and Kriti's hilarious banter steals the show

The episode's teaser opens with Vicky greeting everyone with folded hands, to which Twinkle quips that he's being overly formal and asks how he greets "young girls." Without missing a beat, Vicky jokes, "Young girls ke toh paer chhoo leta hun main" — leaving the hosts in splits. Kriti quickly shoots back, "Paer chhooega toh maar khaayega," setting off a round of laughter.

The two then join Kajol and Twinkle in trying out Vicky's viral Tauba Tauba hook step, adding to the laughter before the chat shifts gears to Kriti's love life. When asked about her boyfriend, Kriti shyly admits, "He's not from the industry." Twinkle teases her further, saying, "I already know his name but I just can't say it because she's not saying it." Kriti, who's rumoured to be dating UK-based businessman Kabir Bahia, smiles it off.

Vicky's cheeky reply on 'good sex vs good conversation' goes viral

During a rapid-fire game, Kajol throws a tricky one and asks if good sex more important than good conversation. Vicky confidently walks toward "Yes" and says, "Dekho baatein toh hoti rahengi," earning loud cheers from everyone on set. Kriti, clearly amused, scolds him as the hosts burst into laughter.The promo wraps with Vicky and Kriti walking off arm-in-arm, joking, "Bohot pitayi hui," after all the teasing. Fans are already calling this one of the most entertaining episodes of the show yet.

Aamir Khan Mourns Lives Lost In Delhi Blast, Calls It A Tragic Loss

At least eight people were killed and several others injured on Monday evening after a Hyundai i20 car exploded near Gate No. 1 of Delhi's Red Fort Metro Station. The blast, which occurred around 6:55 pm, is currently under investigation, with authorities probing a possible terror link.Through his production banner, Aamir Khan Studios, the actor issued a statement expressing solidarity with the victims, saying, "Our deepest condolences to the families grieving the tragic loss of loved ones in the Delhi blast. Our thoughts and prayers are with everyone during this difficult time. – Team AKP."

Allu Arjun also prayed that 'peace would prevail' after the blast, writing on X (formerly Twitter), "Deeply saddened by the tragic incident near Delhi's Red Fort. My heartfelt prayers are with the victims and their families, and I wish for peace to prevail once again."Nagarjuna called the incident 'barbaric' and prayed for the victims' families, "Stunned by the barbaric incident near the Red Fort. My heart goes out to the victims and their loved ones during this painful time."

Ishaan Khatter said, "Please stay safe and stay informed, Delhi. Disturbed to hear about the blast." Vaani Kapoor also uploaded a post on her Instagram story. "Prayers for the families, the first responders, and every heart shaken today," she wrote.

Sidharth Malhotra said, "My heart goes out to everyone affected by the Red Fort blast. Delhi, stay strong and stay safe."A deadly blast shook Delhi on Monday evening when a Haryana-registered car parked near Gate No. 1 of the Red Fort Metro Station exploded, killing at least eight people and injuring several others.

In response to the incident, the Union Ministry of Home Affairs has ordered heightened security measures across major cities in India. The investigation has since uncovered possible terror links to Jammu and Kashmir.

Three doctors — Dr. Adeel Ahmad Rather from Qazigund, Dr. Muzammil Ahmad Ganai from Pulwama, and Dr. Shaheen Saeed — have been arrested in connection with the Kashmir-Faridabad-Delhi terror network. Additionally, two others, Tariq Ahmed Dar from Samboora (Pulwama) and a man identified as Umar alias Amir, have been detained in Kashmir. Tariq reportedly told investigators that he had handed over the car to Amir.Officials have traced the car's ownership history to Pulwama, indicating a possible terror connection. According to CNN-News18 sources, the vehicle was originally registered in Gurugram under the number HR26 and was first owned by Mohammad Salman. It subsequently changed hands multiple times — from Salman to Devendra, then to Sonu, and finally to Tariq from Shambhura village in Pulwama.